कार्तिक कृष्ण पक्ष 10 , 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08 , अंक - 125 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

28 अक्टूबर 2024 सोमवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आखिरकार डीए में इजाफा, मप्र के कर्मचारियों की मनी दीवाली

भोपाल , दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार ने आखिरकार आज राज्य के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफे का फैसला कर लिया। यह दीपावली और मप्र स्थापना दिवस का तोहफा भी माना जा रहा है। सरकार ने जनवरी से लंबित 4 फीसद डीए आज बढा दिया।अब कर्मचारियों का डीए 46 से बढकर 50 फीसद हो गया है। इससे कर्मचारियों के वेतन में साढे सात हजार रूपये से भी ज्यादा का इजाफा प्रतिमाह होगा। कर्मचारी काफी समय से दीपावली से पहले डीए बढाने की मांग कर रहे थे और सरकार पर दबाव बना रहे थे। हालांकि अभी एरियर्स को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

कर्मचारियों का डीए अब 50 फीसदी

सीएम ने वीडियो संदेश से कर्मचारियों को शुभकामना दीं

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है, जो एक जनवरी 2024 से देय होगा। डॉ यादव ने यहां एक वीडियो संदेश के जरिए कहा कि वे अधिकारियों कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देना चाहते हैं। साथ ही एक नवंबर को राज्य को स्थापना दिवस आ रहा है। राज्य का गठन 01 नवंबर 1956 को हुआ था। वे इसकी भी सभी को बधाई देना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के वित्त विभाग ने कर्मचारियों को 14 मार्च 2024 को 46 प्रतिशत डीए स्वीकृत किया है। इसके आधार पर स्वीकृत महंगाई भत्ते की दर एक जुलाई 2023 से प्रभावशील की गयी थी। एरियर राशि का भुगतान किश्तों में किया गया था। अब अधिकारियों कर्मचारियों को एक जनवरी 2024 से महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत की दर से प्रदान किया जाएगा।

मोदी ने स्पेन के पीएम संग टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया

पहली बार.. अब टाटा बनाएगा सेना के लिए ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट

बडोदरा, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के वडोदरा में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। पहली बार निजी कंपनी सेना के लिए विमान बनाने वाली है। इस कॉम्प्लेक्स में C-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बनेंगे। स्पेन और भारत के बीच 56 विमान बनाने का समझौता हुआ है। यह विमान दो लोग उड़ाते हैं। इसमें 73 सैनिक या 48 पैराट्रूपर्स या 12 स्ट्रेचर इंटेसिव केयर मेडवैक या 27 स्ट्रेचर मेडवैक के साथ 4 मेडिकल अटेंडेंट सफर कर सकते हैं।

यह एक बार में अधिकतम 9250 किलो वजन उठा सकता है। इसकी लंबाई 80.3 फीट है। इस मौके पर मोदी ने टाटा संस के पूर्व चेयरमैन दिवंगत रतन टाटा को याद किया और कहा कि आज अगर वो हमारे साथ होते, तो उन्हें बहुत खुशी होती। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि यह सी-295 विमान फैक्ट्री नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाती है।

40 विमान बनाएगी टाटा

स्पेन और भारत के बीच 56 विमान बनाने का समझौता हुआ है। पहले 16 विमान स्पेन में बनेंगे। जबकि बाकी के 40 विमानों को टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड बनाएगी। देश में पहली बार एक निजी कंपनी मिलिट्री के लिए प्लेन मैन्युफैक्चरिंग करेगी। यहां बता दें कि टाटा एयरक्राफ्ट काप्लेंक्स देश की पहली निजी फाइलन असेंबली लाइन है, जो मिलिट्री एयरक्राफ्ट बनाएगी। भारतीय वायुसेना के लिए ट्रांसपोर्ट विमान बेहद जरूरी हैं। ताकि सैनिकों, हथियारों, ईंधन और हार्डवेयर को एक जगह से दूसरी जगह पहुचा सकें।

जब मैं सीएम था...

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं गुजरात का सीएम था, तब वडोदरा में ट्रेन के कोच बनाने के लिए एक फैक्ट्री लगाने का फैसला किया गया था। फैक्ट्री को रिकॉर्ड समय में प्रोडक्शन के लिए तैयार भी कर दिया गया था और आज हम उस फैक्ट्री में बने मेट्रो कोच को दूसरे देशों में निर्यात कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रमुख लीडर्स भोपाल में एक मंच पर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास व भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान विषय पर आयोजित विमर्श सत्र में कहा मध्यप्रदेश ने आर्थिक विकास को महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों के साथ जोड़ा है। देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र और अद्वितीय पारिस्थितिकी संपदा के साथ, मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज के प्रति एक्शन लेने के लिए तथा नेतृत्व करने के लिए अग्रणी है। आज भोपाल में पहली राज्य-स्तरीय प्री-कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख लीडर्स को एक मंच पर लाने का प्रयास है।

महाराष्ट्र में टसल बढ़ी, महायुति की 53 सीटों पर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली/मुंबई एजेंसी।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन के पंच उलझते जा रहे हैं जबकि नामांकन में अब सिर्फ चौबीस घंटे बाकी हैं। चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन में कई सीटों पर सहमति नहीं बन सकी है।

एमवीए ने 29 और महायुति ने सबसे ज्यादा 53 सीटों पर अब तक उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी अलग राह पर है। हालांकि, संभावना यही है कि आज दोपहर या शाम तक दोनों ही दल अपनी-अपनी स्थिति स्पष्ट कर देंगे और सभी उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे। सत्तारूढ़ महायुति अब तक 235 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। भाजपा ने दो लिस्ट में 121 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं। एकनाथ शिंदे

की शिवसेना ने दो लिस्ट में 65 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। अजित पवार की एनसीपी ने तीन लिस्ट में 49 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं।

अभी 53 सीटों पर स्थिति साफ नहीं है। भाजपा इस बार 153 से 156 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिंदे की शिवसेना 78 से 80 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है. अजित पवार की एनसीपी के हिस्से 53 से 55 सीटें आ सकती हैं।

सीएम सोरेने के सामने हेम्ब्रम

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज अपनी दूसरी सूची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ बरहेट सीट से गमालियल हेम्ब्रम को उतारा है। हेम्ब्रोम ने 2019 में आजसू पार्टी के टिकट पर बरहेट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें 2,573 वोट मिला था।

चिराग ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल किया अपने नाम

नई दिल्ली ।

इस वक्त ओलंपिक मेडल जीत चुके रेसलर बजरंग पूनिया का करियर ढलान पर चल रहा है। पूनिया हाल फिलहाल कुश्ती के अखाड़े से बाहर ही हैं। वहीं दूसरी ओर, अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में चिराग चिक्कारा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अल्बानिया के तिराना में खेले गए टूर्नामेंट के 57 किलोग्राम भारवर्ग का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। चिराग ने खिताबी मुकाबले में कीर्गिस्तान के काराचोव को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से धूल चटा दी।

कश्मीर मे सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आतंकियों ने सेना के वाहन को निशाना बनाया और कई राउंड फायरिंग की है। सुरक्षा बल फिलहाल बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आतंकियों ने सेना के काफिले पर हमला किया है। फायरिंग करने वाले दहशतगर्दों की संख्या तीन से चार बताई जा रही है। खबरों के अनुसार, आतंकी एक स्थानीय मंदिर के आसपास छिपे हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम मिलकर तलाशी अभियान चला रही है। फिलहाल इलाके को घेर लिया गया है। जानकारी मिली है कि सोमवार सुबह करीब सात बजे यह हमला हुआ

मेट्रो एंकर बदला चक्र : अगले साल होगी जनगणना

आप किस संप्रदाय के अनुयायी हैं, पूछ सकता है जनगणना दल!

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश में हर 10 साल में होने वाली जनगणना को लेकर कुछ नए बदलावों का आहट है। माना जा रहा है कि अगले साल 2025 में जनगणना की शुरुआत होगी, जो एक साल तक चलेगी। इसके बाद जनगणना अगली बार 2035 में होगी। ब तक हर दस साल में होने वाली जनगणना दशक के शुरुआत में होती आई थी जैसे 1991, 2001, 2011 लिहाजा अब जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण टालनी पड़ी। अब जनगणना का चक्र भी बदल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा सीटों का परिसीमन जनगणना पूरी होने के बाद शुरू होगा। परिसीमन प्रक्रिया 2028 तक पूरी हो सकती है। दरअसल, कई विपक्षी दलों की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग भी की जा रही है, लेकिन सरकार ने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है।

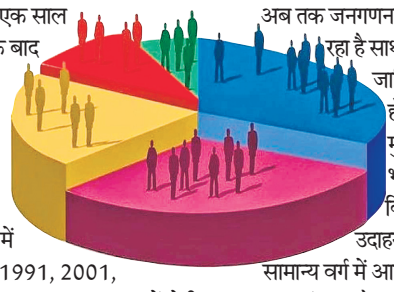

अब तक जनगणना में धर्म और वर्ग पूछा जाता रहा है साथ ही सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना होती है। लेकिन खबरों के मुताबिक इस बार लोगों से यह भी पूछा जा सकता है कि वे किस संप्रदाय के अनुयायी हैं। उदाहरण के तौर पर कर्नाटक में सामान्य वर्ग में आने वाले लिंगायत स्वयं को अलग संप्रदाय के मानते हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति में वाल्मीकि, रविदासी, जैसे अलग-अलग संप्रदाय हैं। यानी धर्म, वर्ग के साथ संप्रदाय के आधार पर भी जनगणना की मांग पर सरकार विचार कर रही है।

जातिगत जनगणना पर फैसला नहीं!

केंद्र सरकार ने फिलहाल जनगणना के साथ जातिवार जनगणना कराने को लेकर औपचारिक फैसला नहीं किया है लेकिन विपक्ष की ओर से जातिवार जनगणना को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश को देखते हुए मोदी सरकार जातिवार जनगणना कराने का फैसला संभव भी है। क्योंकि सरकार भी चाहती है कि एक तो इस मुद्दे पर एनडीए में मतभेद न हो साथ ही सभी धर्मों की आबादी में मौजूद जाति व्यवस्था की जड़ों का भी पता चल सके। फिर अगर आरक्षण सहित किसी भी सुविधा के लिए कोई विशेष योजना चलानी हो तो ट्रिपल टेस्ट का पहला और अहम टेस्ट इसी मुहिम के साथ पूरा हो जाएगा।

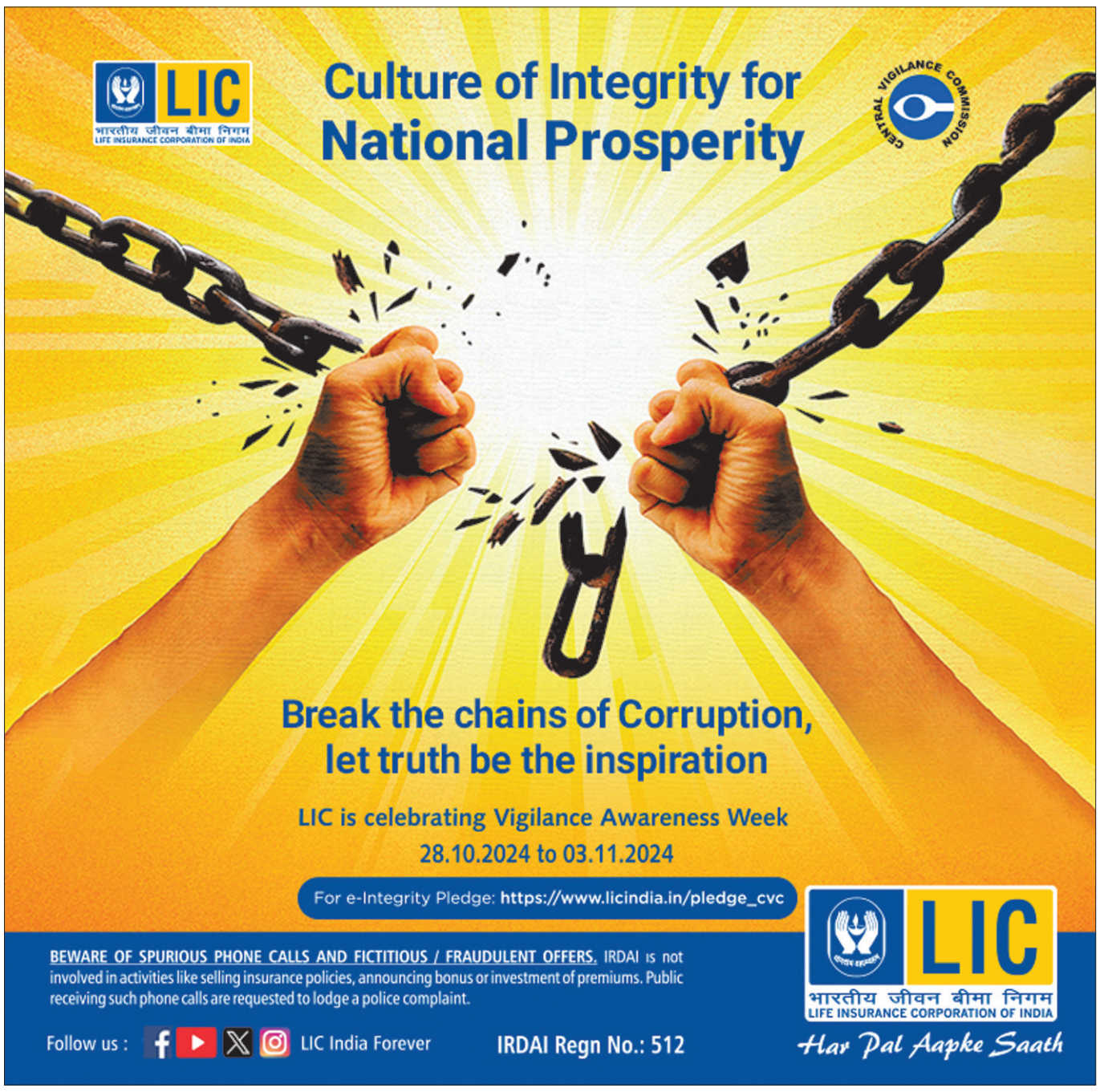

घर से बाजारों तक चहल-पहल

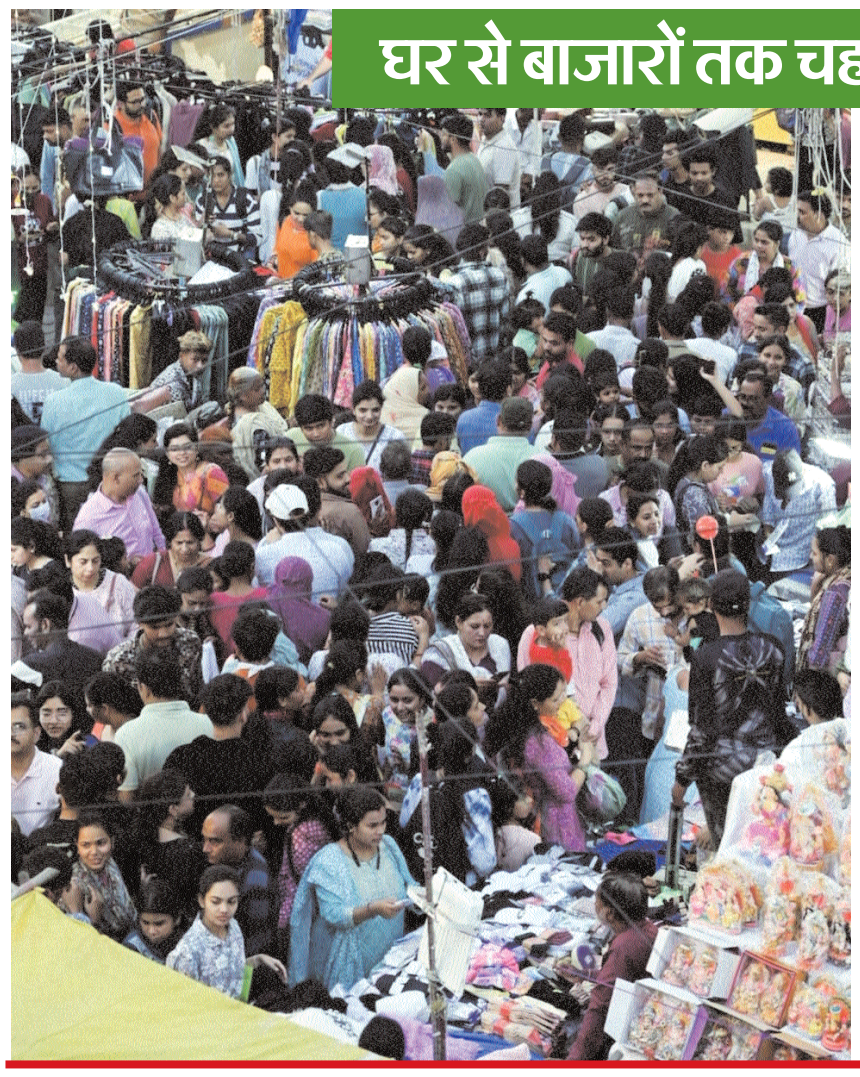

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर में इन दिनों दिवाली की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। धनतेरस के साथ ही पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत हो जाती है, लेकिन इस बार भी दिवाली की रौनक पांच की जगह छह दिनों तक रहेगी। इस बार अमावस्या तिथि दो दिन होने के कारण दीपोत्सव पांच की जगह छह दिन का होगा। 31 अक्टूबर को दिवाली मनाई जाएगी, जबकि उसके अगले 1 नवंबर को श्राद्ध, स्नानदान अमावस्या मनाई जाएगी। इस तरह दीपोत्सव 29 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 3 नवंबर तक छह दिनों तक रहेगा। दिवाली पर मां लक्ष्मी के स्वागत की तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है। मां लक्ष्मी के सत्कार के लिए घरों में साफ सफाई, पुताई , साज सज्जा का काम जोर शोर से चल रहा है, वहीं बाजारों में भी दिवाली के लिए जमकर खरीदारी हो रही है। देर रात तक बाजार गुलजार है।

खराब सड़कों का इलाज अब व्हाइट टॉपिंग से, 700 करोड़ होंगे खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बार-बार खराब हो रही सड़कों का इलाज अब मोहन सरकार व्हाइट टॉपिंग से करने जा रही है। इसके लिए 700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस तकनीक के जरिए बारिश और वाहनों के दबाव को बर्दाश्त करने वाले एक विशेष घोल की 150 से 200 मिलीमीटर मोटी परत सड़कों पर की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 10 हजार 400 करोड़ की नई सड़कों का काम चल रहा है। ये सड़कें राज्य व केंद्र की है। इनमें नई सड़कें, पुरानी सड़कों का चौड़ीकरण और सिंगल सड़कों को दो लेन और डबल सड़कों को चार लेन में करने जैसी परियोजनाएं शामिल है। अब सरकार ने 38 से अधिक पुरानी सड़कों को स्थाई रूप से ठीक करने के लिए चुना है। यह काम व्हाइट टॉपिंग तकनीक के जरिए होगा। अधिकारियों का कहना है कि दो साल में यह काम पूरा होगा। नवंबर में इन कामों की शुरुआत हो जाएगी। व्हाइट टॉपिंग तकनीक में डामर और एग्रीगेट्स के मिश्रण से निर्मित सीमेंट-कांक्रीट की परतें चढ़ाई जाती है। जिसके बाद पुरानी सड़कों की उम्र 15 से 20 साल तक बढ़ जाती है।

राजधानी की इन पुरानी सड़कों को व्हाइट टॉपिंग के लिए चुना

मुख्य सड़कें	लंबाई (किमी में)	लागत (करोड़ में)
- भरत नगर केनाल मार्ग	2.60	736
- पत्रकार भवन से होते हुए गुजरने वाली ठंडी सड़क	4.90	1902
- डीआईजी बंगले से काली परेड अयोध्या फोरलेन मार्ग	2.40	1448
- एयरपोर्ट फोरलेन	0.70	378
- स्टेट हेंगर ओल्ड टर्मिनल पहुंच मार्ग	3	620
- मंदाकिनी चौराहे से दानिश कुंज चौराहा	2.40	1152
- स्मार्ट पार्क से आकाशवाणी चौहरा	2.58	707
- पॉलीटेक्नीक चौराहा से राजभवन तिराहा	1.30	472
- पॉलीटेक्नीक चौराहा से मुख्यमंत्री निवास	0.65	318
- एसबीआइ चौराहा से करबला	0.75	350
- वन विहार मार्ग से वन विहार गेट-1 तक	3.20	900
- भोजपुर क्लब से 1100 क्वार्टर	3.40	1348
- इंदिरा मार्केट से एनएच-12 मार्ग	1.16	276
- अरेरा कॉलोनी के अंदर मार्ग ई-5	3.40	1348

केंद्र की तकनीक, केंद्रीय मंत्री दे चुके हैं मप्र को सलाह

उक्त तकनीक केंद्र की हैं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण उक्त तकनीक को सबसे पहले अपना चुका है। राजस्थान, बिहार समेत कई दूसरे राज्य भी अपनी पुरानी सड़कों को इस तकनीक के दायरे में ला रहे हैं। हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भोपाल आए थे। वह सड़क व पुल-पुलियाओं के निर्माण में आधुनिक तकनीक केउपयोग पर बोल रहे थे। तब उन्होंने मप्र को व्हाइट टॉपिंग तकनीक अपनाने की सलाह दी थी।

आज से शुरू होगी व्यवस्थाओं की जांच, दुकानदारों को दी जा रही हिदायतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पटाखा कारोबारियों के लिए टीटी नगर स्मार्ट सिटी क्षेत्र में दुकानों के लिए लॉटरी आधारित आवंटन की प्रक्रिया रविवार को हुई। एसडीएम टीटी नगर अर्चना शर्मा व अन्य अफसरों ने इस प्रक्रिया को पूरा किया। फिलहाल 46 दुकानों के लिए टोकन आवंटित किए। यहां कुल 86 दुकानें लगेंगी। सोमवार से यहां व्यवस्थाओं और स्थितियों का निरीक्षण किया जाएगा। शहर में कई स्थानों पर बिना लाइसेंस लिए भी पटाखा दुकानें संचालित हो रही हैं।

1000 रुपए की खरीदी तो घर पहुंच सेवा: कोलार से लेकर नर्मदापुरम रोड, अवधपुरी, अयोध्या बाइपास, एमपी नगर, करोद, नेहरू नगर, माता मंदिर समेत पुराने शहर में पटाखों की छोटी दुकानों की बड़ी धूम है। मैसेज भेजकर लोगों को ऑनलाइन ऑर्डर देने का कहा जा रहा है। 1000 रुपए कीमत के पटाखे मंगवाते हैं तो होम डिलीवरी की व्यवस्था भी दी है।

हुजूर-बैरसिया में जांच पूरी: पटाखा के बड़े लायसेंसधारियों के यहां जांच को भी हुई। हुजूर और बैरसिया नजूल क्षेत्र में ही ये बड़े लायसेंसधारी पटाखा कारोबारी है। एसडीएम आदित्य जैन व टीम ने यहां निरीक्षण पूरा किया। सोमवार को इनकी जांच रिपोर्ट कलेक्टर को दी जाएगी। इसमें किसी पर कोई कार्रवाई नहीं की है। सुधार के निर्देश जरूर दिए गए।

छोटी दुकानों का बड़ा कारोबार: जिले में 50 किलोग्राम तक के भी लाइसेंस दिए जाते हैं। ऐसे 931 लाइसेंस है, लेकिन इससे तीन गुना तक दुकानें खुली हुई है। सामान्य सामान की तरह पटाखों को छोटी दुकान या ठेलों पर ही बेचा जा रहा है। किराने से लेकर लाइटिंग की दुकान तक में पटाखों की बिक्री हो रही है। नर्मदापुरम रोड पर 1500 केजी का एक ही लायसेंसधारी है, लेकिन यहां दस से अधिक बड़े कारोबारी है।

भोपाल से पाटलीपुत्र के बीच चलाई जाएगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

वंदे भारत के स्लीपर वर्जन को भोपाल से शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली खेप नवंबर के अंत तक भोपाल पहुंचेगी। नवंबर के आखिरी सप्ताह तक इसका ट्रायल किया जाएगा। इसके लिए दो तरह के रैक लाए जा रहे हैं। पहली ट्रेन आठ कोच वाली वंदे भारत सीटिंग ट्रेन रहेगी। दूसरी वंदे भारत स्लीपर 20 कोच की होगी। वहीं दिल्ली से मुंबई के बीच चलने वाली एक और वंदे भारत स्लीपर भी भोपाल होकर जाएगी। रानी कमलापति से पाटलीपुत्र (पटना) के बीच 20 कोच की वंदे भारत स्लीपर संचालित किया जाएगा। वहीं, भोपाल से लखनऊ के बीच आठ कोच वाली सीटिंग वंदे भारत चलाई जाएगी। लखनऊ वंदे भारत का रैक नवंबर की अंतिम सप्ताह तक मिलने जा रहा है। जिसके बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में ट्रेन का संचालन किया जा सकता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल को दो वंदे भारत एक्सप्रेस के रैक मिलने वाले हैं। जो कि लखनऊ और पाटलीपुत्र के बीच चलाए जाएंगे। अभी डेट निर्धारित नहीं हुई है लेकिन नवंबर के अंत तक रैक को लाया जाएगा।

नहीं संभले तो दिल्ली जैसी जानलेवा होगी आबोहवा

ठंड में हर साल बढ़ता वायु प्रदूषण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में गुलाबी ठंड के साथ ही अब वायु प्रदूषण व धुंध बढ़ने लगी है। यही हाल नई दिल्ली में भी है। दरअसल, अभी भी चेत जाएं, क्योंकि प्रदेश में भी दिल्ली की तरह वायु प्रदूषण जानलेवा होने वाला है। जैसे-जैसे ठंड का मौसम पास आ रहा है, वैसे-वैसे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) बढ़ रहा है। राजधानी भोपाल में एक्यूआई की स्थिति ठीक नहीं है। बताया जा रहा है कि हवा में प्रदूषक तत्व पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 10 और पीएम 2.5 समेत अन्य कारकों के स्तर बढ़ रहे हैं। हवा में धीमा शहर घोलने वाले इन प्रदूषकों के लिए खराब सड़कें, पराली जलाने का चलन, हरियाली का कम होना और उद्योगों के धुएं हैं, लेकिन जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे। विशेषज्ञों का कहना है, हर साल भोपाल में एक्यूआइ 350 से 400 के पार पहुंच जाता है तब जिम्मेदार जागते हैं। पर्यावरण, वन मंत्रालय ने वायु प्रदूषण से निपटने 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया। इसमें भोपाल समेत कई शहर शामिल हैं। एनजीटी ने सरकार को दो साल में कार्य योजना बना कर अमल करने के निर्देश दिए, पर कुछ नहीं हुआ। इसके तहत सतत वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन लगाने, भोपाल-इंदौर जैसे शहरों का पुणे की संस्था से अध्ययन कराने जैसे कुछ काम तो हुए, मूल काम कागजों से बाहर नहीं आए।

नॉन अटेनमेंट सिटीज में भी असर नहीं

पांच साल तक लगातार प्रदूषण बढ़ने वाले देश के 131 शहरों को 2016 में नॉन अटेनमेंट सिटी घोषित किया। पर्यावरण सुधारने की कार्ययोजना बनी, पर काम नहीं हुआ। हाल ही में राज्य स्तरीय निगरानी और क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई थी। सभी जिलों व निकायों को कचरा जलाने से रोकने के लिए सख्ती करने के आदेश दिए हैं। प्रयास चल रहा है। समीक्षा भी हो रही है। धीरे-धीरे प्रदूषण स्तर घटेगा।

मेट्रो एंकर राज्य शिक्षा केन्द्र ने की शुरुआत, अभी तक कक्षा 10वीं व 12वीं में है व्यवस्था

विद्यार्थियों को एआई कोर्स के लिए एंट्रेंस टेस्ट का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पैटर्न पर पांचवीं और आठवीं की परीक्षा कराने के बाद अब परीक्षा में शामिल बच्चों को विशेष मार्कशीट दी जाएगी। हाल में ही इसका प्रकाशन हुआ है। परीक्षा में पूरे प्रदेश से करीब 60 लाख स्टूडेंट ने हिस्सा लिया था। मार्कशीट के प्रयोग के कारण यह रूक गई थी। इन्हें पाठ्यपुस्तक निगम से छपवाया गया है। दरअसल, राज्य शिक्षा केन्द्र ने की शुरुआत, अब तक दसवीं और बारहवीं में है ये व्यवस्था अंकसूची में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग एक प्रयोग करने जा रहा है। पांचवीं और आठवीं की मार्कशीट अब सामान्य नहीं होगी। इन पर एक विशेष मार्क होगा। इसे देखकर इसकी सत्यता परखी जा सकती है। करीब साठ लाख ऐसी मार्कशीट जारी करने की तैयारी की जा रही है। यह प्रयोग राज्य शिक्षा केन्द्र करने जा रहा है।

वेबसाइट पर डिजिटल कॉपी: राज्य शिक्षा केंद्र ने अभी इस मार्कशीट की डिजिटल कॉपी उपलब्ध कराई है। इसी के सहारे छात्र को अगली कक्षा में प्रवेश मिला है। छोटी कक्षाओं में प्रदेश में यह यह अपनी तरह का पहला प्रयोग है। ज्ञात हो कि छोटी कक्षाओं में फर्जी मार्कशीट से अगली कक्षाओं में प्रवेश के मामले आ चुके हैं। अब तक इसे अनदेखा किया गया। अब हर स्टूडेंट का डाटा जमा किया जा रहा है जिसके चलते यह प्रयोग उनकी सही रिपोर्ट में मददगार बनेगा।

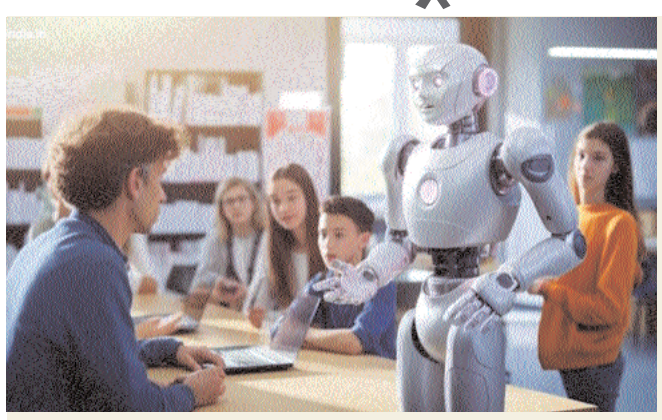

हर कॉलेज से 8 छात्रों का चयन

प्रत्येक सर्टिफिकेट कोर्स के संचालन के लिए कॉलेज में 8-8 सीटें उपलब्ध रहेंगी। इन कोर्सेस के लिए चयनित विद्यार्थियों से फीस नहीं ली जाएगी। इन कोर्सेस के संचालन के लिए संबंधित कॉलेजों को अलग से टीचर्स की व्यवस्था भी की जाएगी। भोपाल प्रदेश के 55 पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और 13 ऑटोनॉमस कॉलेजों में आइआइटी दिल्ली के सहयोग से दो तरह के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) कोर्स शुरू किए हैं। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शामिल हैं। इन कोर्स में एंट्रेंस टेस्ट से छात्रों को प्रवेश मिलेगा। इन कोर्स के लिए हर कॉलेज से 8 छात्रों का चयन होगा। इसमें प्रदेश से 544 विद्यार्थियों को इन कोर्स में दाखिले का मौका मिलेगा। शह के हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इन कोर्स में प्रवेश के लिए 21 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने अब तक एंट्रेंस टेस्ट की तारीख तय नहीं की है। इस परीक्षा का आयोजन संबंधित कॉलेज में ही किया जाएगा। इसके बाद मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन कोर्स को डिजाइन करने में आइआइटी दिल्ली का सहयोग रहेगा। छात्र केवल एक कोर्स का ही चयन कर सकेंगे।

नेहरू नगर की सड़कों पर बह रहे गंदे पानी से बीमारियों का खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के वार्ड 29 में आने वाली कॉलोनी नेहरू नगर के रहवासी बीते कई दिनों से परेशान हो रहे हैं। यहां के रहवासी सड़कों पर बह रहे गंदे पानी और ड्रेनेज की सही व्यवस्था नहीं होने से परेशान हो रहे हैं। इतना ही नहीं रहवासियों ने कॉलोनी में व्यवस्थित साफ-सफाई नहीं होने के भी आरोप लगाए हैं। निवासियों का कहना है कि कॉलोनी में कई-कई दिनों तक गलियों में गंदगी पड़ी रहती है, लेकिन उन्हें साफ करने वाला कोई नहीं आता। सफाई के बाद कचरा भी नहीं उठाया जा रहा है। नेहरू नगर में साफ सफाई का सबसे ज्यादा अभाव देखा जाता है। कई-कई दिनों तक यहां पर झाड़ू नहीं लगाई जाती। झाड़ू जब लगती है, तो नगर निगम कर्मचारी कचरा नहीं उठाते। जनप्रतिनिधियों को यहां पर व्यवस्था बनाकर सही तरीके से काम करवाना चाहिए। इलाके में नालियों और ड्रेनेज सिस्टम के अभाव में सबसे ज्यादा परेशानी सड़क पर बहने वाले गंदे पानी की समस्या से है। यहां पर आए दिन गंदा पानी बहते हुए देखा जा सकता है। निगम प्रशासन को इस पर सत एक्शन लेना चाहिए, जिससे जनता को राहत मिले। कॉलोनी में कई जगह सीवेज लाइन डाली गई है, लेकिन कई स्थानों पर ऐसे ही छोड़ दिया गया है। इस कारण हमेशा कुछ स्थानों पर गंदा पानी बहता रहता है। नगर निगम प्रशासन को इस मामले में गंभीरता दिखाकर बचे हुए इलाकों में भी सीवेज लाइन बिछानी चाहिए, जिससे गंदगी को कम किया जा सके। रहवासियों ने बताया कि नेहरू नगर कॉलोनी में साफ सफाई का भी अभाव रहता है। कॉलोनी में कई-कई दिनों तक झाड़ू नहीं लगाई जाती और जब झाड़ू लगती है, तो कचरा जहां का तहां पड़ा रहता है।

आदिवासी कैफे में मिलेंगे क्षेत्रीय पकवान मोटा अनाज बढ़ाएगा भोजन का स्वाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार आदिवासी कैफे खोलने जा रही है। इसकी शुरुआत हो चुकी है। ये पेंच, कान्हा टाइगर रिजर्व और धार के मांडू जैसे विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल क्षेत्र के आसपास खोले जा रहे हैं। कैफ के लिए निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इनमें क्षेत्रीय व्यंजन परोसे जाएंगे, मोटे अनाज से तैयार भोजन भी मिलेगा। पूरा जोर परंपरागत व आदिवासियों के जीवन का हिस्सा रहे खाने की ब्रांडिंग की जाएगी। इसके दो फायदे होंगे, इन राष्ट्रीय, एतिहासिक व धार्मिक महत्व के स्थलों के जरिए आदिवासी कैफे समूह के लोगों को रोजगार दिलाने में मदद करेंगे। साथ ही मप्र के प्राचीन खान–पान को भी पहचान मिलेगी।

कैफे पर ये मिलेगा

महुआ के लड्डू, मिठाई, मक्के और ज्वार जैसे मोटे अनाज की रोटी आदि मिलेगी। कोदो–कुटकी के चावल जैसे व्यंजन परोसे जाएंगे। इन्हें पकाने के लिए मिट्टी के बर्तन जैसे हांडी का उपयोग किया जाएगा। मशीन से पिसी हुई चटनी की जगह, पत्थर पर बनी चटनी स्वाद बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने दिया आदिवासी कैफे खोलने का सुझाव

असल में आदिवासी कैफे खोलने के सुझाव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिया है। वह इसके पीछे मप्र, क्षेत्रीय व्यंजन और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना चाहते है। मोटे अनाज से जुड़े कई उत्पाद भी लघु वनोपज संघ, वन समितियां और स्थानीय स्व सहायता समूहों के जरिए बाजार में उतार दिए हैं। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुझाव पर क्षेत्रीय व्यंजनों को भी तवज्जो दी जा रही है। खासकर आदिवासी क्षेत्रों में परोसे जाने वाले कई व्यंजनों को पर्यटन, धार्मिक और एतिहासिक महत्व के केंद्रों पर उपलब्ध कराने की योजना है ताकि यहां पहुंचने वाले पर्यटक इनका स्वाद ले सकें। इसके पीछे सरकार की मंशा स्थानीयता को बढ़ावा देकर स्वरोजगार से जोड़ना है। साथ ही मप्र के क्षेत्रीय व्यंजनों को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाना है।

प्रमुख स्थानों के आसपास पहले जोर

आदिवासी कैफे के संचालन का जिम्मा मप्र पर्यटन विकास निगम (एमपीटी) को दिया है। यह विभाग जनजातीय वर्ग के स्व-सहायता समूहों को जोड़ा जाएगा। पहले चरण में इन केंद्रों की स्थापना प्रादेशिक व राष्ट्रीय महत्व के स्थानों के आसपास की जाएगी। इनमें धार्मिक के साथ-साथ पर्यटन स्थल मुख्य रूप से शामिल होंगे। जब यहां पर इन केंद्रों की पूछ-परक बढ़ेगी तो मुख्य शहरों में भी ऐसे केंद्रों के लिए सरकार जगह उपलब्ध कराएगी। इन केंद्रों पर अकेले व्यंजनों को ही बढ़ावा नहीं दिया जाएगा, बल्कि क्षेत्रीय उत्पादों की बिक्री पर भी जोर रहेगा। इनमें लकड़ी की, चीनी मिट्टी, बांस आदि से बनी सामग्री होगी।

प्रदेश को कल मिलेंगे 3 मेडिकल कॉलेज 81 लाख किसानों को सम्मान निधि भी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे कॉलेजों का वर्चुअल लोकार्पण, मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक से जारी करेंगे करेंगे राज्य की ओर से किसान सम्मान निधि की राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के लोगों को मंगलवार तीन नए मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिलने जा रही है। ये कॉलेज मंदसोर, नीमच और सिवनी में बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन कॉलेजों का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। इसी दिन 81 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उक्त राशि सिंगल क्लिक से किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे।

अब प्रदेश में हो जाएंगे 16 कॉलेज

प्रदेश में 13 सरकारी मेडिकल कॉलेज है। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने मंदसोर, नीमच व सिवनी में तीन नए मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी दी थी। भवनों का काम पूरा होने के बाद इन्हें मोहन सरकार के कार्यकाल में मान्यता मिली है और एमबीबीएस की 100-100 सीटों पर प्रवेश भी हो चुके हैं। इस सत्र से ये कॉलेज शुरू हो रहे हैं। इस तरह अब प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 16 हो जाएगी।

बाकी कॉलेजों के काम चल रहे

मोहन सरकार दावे करती रही है कि प्रत्येक संभाग स्तर पर मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। कॉलेजों की लिस्टिंग करने के बाद सरकार ने मैपिंग भी कर देखा है कि अभी जो कॉलेज है वे कितने जिलों को कवर कर रहे हैं और उनमें जिलों की दूरी कितनी है। आम लोगों को मेडिकल कॉलेजों तक पहुंचने में दिक्कत न हो, वे कम से कम समय में पहुंच जाए, इस दृष्टि को देखते हुए कॉलेजों को सुविधाजनक दूरी पर बनाया जा रहा है। सरकार घोषित अन्य कॉलेजों के भवनों का निर्माण पूरा होने व मान्यता मिलने के बाद उन्हें भी शुरू किया जाएगा।

किसानों को 2 हजार रुपये व आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र भी मिलेंगे

मंदसोर में होने वाले मुख्य कार्यक्रम से किसानों को सिंगल क्लिक के जरिए खातों में राशि दी जाएगी। राज्य सरकार प्रत्येक किसान को साल में 6 हजार रुपये सम्मान निधि देती है। एक किश्त में 2 हजार रुपये दिए जाते हैं। मंगलवार को उक्त निधि की दूसरी किश्त के तहत यह राशि दी जाएगी। हाल ही में किसानों को केंद्र की ओर से पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दी गई थी। वहीं चयनित आयुष डॉक्टरों को दीपावली के पूर्व नियुक्ति पत्र भी दिए जाएंगे। यह कार्यक्रम भी मंदसोर में होगा। नीमच में भी नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा समेत अन्य मंत्री व जनप्रतिनिधि रहेंगे।

कल हो सकता है ऐलान

अब आयुष शिक्षक चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु होगी 65 वर्ष!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार आयुष (आयुर्वेद, होयोपैथी और यूनानी) कॉलेज के शिक्षक और आयुष अस्पतालों के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 65 साल करने की तैयारी कर रही है। विभागीय प्रस्ताव शासन स्तर पर पांच साल से विचाराधीन है। सूत्रों के अनुसार सहमति बन चुकी है। आयुर्वेद दिवस पर 29 अक्टूबर को मंदसौर में सीएम घोषणा कर सकते हैं। इससे पहले मेडिकल कॉलेज, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और पशु चिकित्सा शिक्षा के कॉलेजों में शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 साल की जा चुकी है। आयुष शिक्षक और डॉक्टर भी मांग कर रहे हैं। सेवानिवृत्त होने वाले आयुष डॉक्टरों ने आयु सीमा बढ़ाने को लेकर हाईकोर्ट में भी याचिकाएं लगाई हैं। प्रदेश में सात सरकारी आयुर्वेद कालेज, एक होयोपैथी और एक यूनानी कॉलेज में अभी लगभग 300 शिक्षक हैं। जिला अस्पताल और अन्य औषधालयों में लगभग 800 चिकित्सा अधिकारी हैं। सरकार ने हाल ही में एमपीपीएससी के माध्यम से 602 आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की है। सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ने से करीब 1700 डॉक्टरों को लाभ मिलेगा।

एमबीए के मुकाबले इंजीनियरिंग में इस साल विद्यार्थियों की रुचि ज्यादा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए की जा रही काउंसिलिंग में इस साल की स्थिति साफ हो गई है। हालांकि इस साल फिर छात्रों का रुख तकनीकी शिक्षा की ओर हुआ है। इस साल एमबीए के मुकाबले बीई-बीटेक में 4731 अधिक छात्रों ने प्रवेश लिया है। पिछले वर्ष एमबीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या अधिक थी। तकनीकी शिक्षा विभाग के अनुसार बीते साल की अपेक्षा इस साल बीई-बीटेक सहित अन्य 25 कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या कम हुई है। इस साल इंजीनियरिंग में कुल 1 लाख 23 हजार 941 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जबकि पिछले साल 20 कोर्स में 1 लाख 50 हजार 137 प्रवेश हुए थे। जबकि ज्यादा सीटें होने के बावजूद इस साल 26,196 कम प्रवेश हुए हैं।

एविएशन में कॅरियर बनाना होगा आसान, शुरू हुए कोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विश्वविद्यालय सीएम डॉ. मोहन यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने में जुटे हैं। विश्वविद्यालयों ने एविएशन और उससे जुड़े पाठ्यक्रम शुरू कर दिए हैं। अब विद्यार्थियों की तलाश की जा रही है। बीएससी एविएशन, एविएशन मैनेजमेंट सहित सर्टिफिकेट कोर्स के लिए विवि विमानन कंपनियों की भी मदद लेंगे। इससे विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा। रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। एविएशन सेक्टर में युवाओं के लिए आकर्षण है। यहां रोजगार पाना युवाओं का सपना है, लेकिन यह सपना बहुत महंगा है, क्योंकि ज्यादातर पाठ्यक्रम विमानन कंपनियां ही संचालित करती हैं। मोटी फीस देना आम छात्र के बस की बात नहीं। ऐसे में सीएम ने विवि से आग्रह किया था कि वे एविएशन कोर्स शुरू करें। विश्वविद्यालयों ने भी बिना देरी किए चालू शैक्षणिक सत्र में ही ये पाठ्यक्रम शुरू कर दिए, लेकिन प्रचार-प्रसार की कमी के चलते विद्यार्थियों का अभाव है। सरकार की मंशा है कि इन पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लें। इसी को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि एविएशन पाठ्यक्रम आधुनिक, कौशल उन्नयन व रोजगारपरक हैं। जिसका लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को मिलना चाहिए। सर्टिफिकेट कोर्स का शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए प्रोत्साहन गतिविधियां सुनिश्चित की जाएं। उधर, उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी के हस्ताक्षर से जारी आदेश में सभी विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों के ज्यादा से ज्यादा प्रवेश के लिए जागरूकता, प्रचार के लिए कहा है।

मेट्रो एंकर जेजे बोर्ड में सदस्यों के दो-दो रिक्त पदों व सीडब्ल्यूसी में अध्यक्ष-सदस्य की हुई नियुक्ति

भोपाल समेत 14 जिलों के जेजे बोर्ड और 13 जिलों की सीडब्ल्यूसी गठित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन ने भोपाल समेत 14 जिलों के किशोर न्याय बोर्ड (जेजे बोर्ड) और 13 जिलों की बाल कल्याण समिति गठित कर दी है। महिला एवं बाल विकास ने नियुक्त की अधिसूचना भी जारी कर दी है। जिसके अनुसार, इन जिले में किशोर न्याय बोर्ड में 2 सदस्य की नियुक्ति की गई है। वहीं भोपाल, रायसेन, रतलाम, सागर, खरगोन, आगर मालवा, धार, ग्वालियर, शाजापुर अलीराजपुर, शहडोल नरसिंहपुर उज्जैन और जबलपुर सहित अन्य जिलों में बाल कल्याण समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष सदस्यों का कार्यकाल नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष से अधिक नहीं होगा। समिति का अध्यक्ष सदस्य अधिकतम दो कार्यकाल तक नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

24 अक्टूबर तक बुलाए गए थे आवेदन: उल्लेखनीय है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड और कल्याण समितियों में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। किशोर न्याय बोर्ड में सदस्यों के 2 पद की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसमें एक पद महिला के लिए आरक्षित है। इसी तरह प्रत्येक जिले में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के प्रकरणों के निराकरण के लिए बाल कल्याण समिति का गठन किया गया है। समिति के लिए 5 सदस्यीय है। जिसमें एक अध्यक्ष और चार सदस्य होंगे के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई थी। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अशासकीय व्यक्ति की न्यूनतम आयु 35 वर्ष और अधिकतम आयु 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके लिए ऐसे व्यक्ति पात्र होंगे जिनके पास शिक्षा स्वास्थ्य कल्याण कार्य कलापों में बालकों के साथ कार्य करने का कम से कम 7 वर्षों का अनुभव हो अथवा जो बाल मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा, समाज विज्ञान या विधि क्षेत्र में डिग्री प्राप्त व्यवसायरत व्यक्ति हो अथवा विकलांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा में डिग्री प्राप्त हो।

सीडब्ल्यूसी के लिए इन्हे बनाया अध्यक्ष व सदस्य: भोपाल में धनीराम पवार और मेखला श्रीवास्तव, रायसेन में अमीषा चतुर्वेदी, ममता पटेल, महेन्द्र सिंह प्रजापति, रतलाम में शंभूलाल मांगरोड़ा, सागर किरण शर्मा अध्यक्ष, अनिल कुमार रैकवार, सुरेन्द्र कुमार जैन, अनीता राजपूत, भगवत शरण वनवारिया, खरगौन में राजेश कुमार जोशी अध्यक्ष, सीमा जोशी, राघवेन्द्र कुमार दसौंदी, वर्षा परसाई, स्वाति खोड़े, आगर मालवा में मनोज जैन अध्यक्ष, लक्ष्मीनारायण चौहान, स्वाति दवे, शिखा कोठारी, ज्योति मेहर, धार-निलेश कुमार मण्डलोई, दीपक चौहान, प्रेमसिंह डोडिया, राकेश दुर्गेश्वर, ग्वालियर में सोमेश महंत अध्यक्ष अंजू भदौरिया, मनीषा शर्मा, रश्मी त्रिमूर्ति, संतोष कुमार शर्मा, शाजापुर में नवीन चन्द्र वर्मा अध्यक्ष, सविता चौहान, आशुतोष सोनी, विक्रम सिंह तवर, अलीराजपुर- ससीर कुलकर्णी अध्यक्ष, अखिलेश शर्मा, वेस्टा खेलिया, दीपिका पवार तोमर, रौनक सोमानी शहडोल, शहडोल में कल्याणी बाजपेयी अध्यक्ष, प्रीति नामदेव, अभिषेक चौकसे, अजय कुमा मिश्रा, पूर्णिमा चौधरी, नरसिंहपुर में शिवशंकर रैकवार अध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह राजपूत, प्रिया चौहान, महेश नेमा, दिव्या नेमा, जबलपुर में मनीष व्यास अध्यक्ष, मेघा पवार, जितेन्द्र श्रीवास्तव, सीमा सिंह चौहान और नीतू पाण्डेय को नियुक्त किया गया है।

जेजेबी के यह सदस्य नियुक्त

भोपाल में प्रियंका रघुवंशी, रायसेन में अभिलाषा ठाकुर व हीरालाल शाक्या, रतलाम-सुमित्रा अवतानि व पंकज भाटी, सागर में वंदना तोमर व चन्द्रप्रकाश शुक्ला, खरगोन-निधि शाह भावसार व रिक्ता जोशी, आगर मालवा में संजय स्वर्णकार व पूनम बैरागी, धार में प्रेम विजय पटेल व आराधना दवे,ग्वालियर में विनीता जैन व सुमंत कुमार शर्मा, शाजापुर में संदीप राठोर व सोनल नाइक, अलीराजपुर में रेमसिंह डोडवा व निलिमा राठौर, शहडोल में प्रदीप सिंह व संगीता निगम, नरसिंहपुर में रमाकांत दीक्षित व प्रवीणा गोस्वामी, उज्जैन में विजयेंद्र सिंह आरोण्या व रचना उपाध्याय, जबलपुर में यशवेंद्र ठगेले व माया पांडे की नियुक्ति की गई है।

संपादकीय

कामकाज का पुराना कल्चर बेहतर

चार पहले जिस कल्चर को मजबूरी में बढावा मिला था, वह दरअसल मानसिक सेहत के लिये बहुत अच्छा नहीं है। यहां बात हो रही वर्क फ्राम होम कल्चर की। इसके तहत कर्मचारी अपने घर से बैठे बैठे कंपनी का काम करता है। करीब आठ से दस घंटे तक वह बंद कमरे में कंप्यूटर में उलझा रहता है। लेकिन यह कितना ठीक है और कितना खराब, इस पर हाल में अमेरिका स्थित एक माइंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन की ओर से कराई गई ग्लोबल स्टडी की रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण बन पडी है। इसमें वर्क कल्चर और मेंटल हेल्थ के रिश्तों पर नए सिरे से रोशनी डाली गई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भारत में वर्कलोड और ऑफिस के तनाव भरे माहौल पर बहस गर्म है। खासकर पिछले दिनों पुणे में हुई छब्बीस साल की एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत ने इस बहस को तेज कर दिया है। भारत में कोविड के प्रभावों से वर्क फ्रॉम होम मॉडल का चलन बढ़ा था। कर्मचारियों का एक वर्ग अभी भी इसी को पसंद करता है। वहीं कई कंपनियों को भी उन्हें ऑफिस बुलाने में रूचि नहीं होती,क्योंकि इससे कई किस्म के खर्च भी कंपनी पर बढते हैं। जबकि रिपोर्ट में यह तथ्य स्थापित हुआ है कि अकेले काम करने के बजाय टीम में काम करना मेंटल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। खासकर भारत में वर्क फ्रॉम होम के मुकाबले वर्क फ्रॉम ऑफिस मोड अपनाने वालों के मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स बेहतर पाए गए। हालांकि अमेरिका और यूरोप में हाइब्रिड मोड (यानी कुछ दिन घर से काम और कुछ ऑफिस से) को सबसे अच्छा पाया गया। वर्क लोड और ऑफिस के माहौल का जहां तक सवाल है तो रिपोर्ट बताती है कि मेंटल हेल्थ इंडिकेटर्स का रिश्तों से बड़ा गहरा नाता है। मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है सहकर्मियों के साथ रिश्ता। सर्वे में यह बात सामने आई कि वर्कलोड और फ्लेक्सिबल टाइमिंग जैसे फैक्टर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है साथ काम कर रहे लोगों के साथ रिश्ता पॉजिटिव है या नहीं, अपने काम के साथ गर्व का भाव जुड़ा है या नहीं और वर्कप्लेस पर पूछ है या नहीं। यह रिपोर्ट कर्मचारी के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बहस को वर्क-लाइफ बैलेंस के पारंपरिक दायरे से आगे ले जाती है। इस मुद्दे को पर्सनल लाइफ और प्रफेशनल लाइफ के दो अलग-अलग खांचों में देखने की परिपाटी से अलग यह इस मसले पर संपूर्णता में विचार करती है जिससे यह तथ्य रेखांकित होता है कि मानसिक सेहत का मसला लोगों के साथ हमारे रिश्तों से जुड़ा है जो घर के भी हो सकते हैं और वर्कप्लेस के भी। जहां तक वर्कप्लेस के तनावों की बात है तो यह आज से नहीं बल्कि दशकों से है। यह काफी हद तक सहकर्मियों के आपसी रिश्तों पर भी निर्भर होते है, लेकिन इनका समाधान निकालना और आपसी समझ पैदा करने की राह भी यहीं से निकलती है। आजकल हर तीसरे चौथे घर में युवा वर्ग घर से ही किसी न किसी कंपनी से काम कर रहा है। ऐसे में उसकी दुनिया एक कमरे या टेबल पर सिमट आई है। वह दिन के पूरे समय या पूरी रात की शिफ्ट में काम करता है। बाहरी दुनिया से उसका संपर्क बहुत कम रह पाता है, ऐसे में युवाओं में दुनियादारी या व्यवहारिकता की कमी भी अक्सर देखी जाती है। जब नयी उम्र में कई सालों तक युवाओं को यह कल्चर अपनाना पड़ता है तो इसका नुकसान उनकी भी मेंटल हेल्थ और रिश्तों पर पड सकता है,लिहाजा जरूरी है कि कमरों के बजाए दफ्तर में काम करने की परिपाटी पूरी तरह स्थापित की जाए।

नकारात्मकता को दूर भगाएं, सकारात्मक विचारों को अपनाएं, नया दिन शुभ हो!
-अज्ञात

आज का इतिहास

- 1794- फ्रांसिसी सेना ने दक्षिण पूर्वी नीदरलैंड के वेनलो पर कब्जा किया।
- 1851- बंगाल में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना हुई।
- 1859- स्पेन ने अफ्रीकी देश मोरक्को के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1863- जेनेवा में 27 देशों की बैठक में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसाइटी की स्थापना को मंजूरी दी गई।
- 1864- यूनान ने नया संविधान अंगीकार किया था।
- 1920- जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना हुई।
- 1923- औटोमन साम्राज्य के विघटन के बाद तुर्की गणतंत्र बना।
- 1942- नाजियों ने बेलारूस के पिनस्क में 16 हजार यहूदियों की हत्या की।
- 1945- विश्व में पहला बॉल पोइंट पेन बाजार में आया था।
- 1985- भारत को पहला ओलंपिक पदक दिलाने वाले मुक्केबाज विजेंद्र सिंह का जन्म हुआ।
- 1994- न्यूयार्क में अमेरिकी भारतीय राष्ट्रीय संग्रहालय का शुभारंभ हुआ।
- 1997- पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय रासायनिक हथियार संधि की पुष्टि हुई।
- 2001- पाकिस्तान में कट्टरपंथी कबाइलियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चिलास कस्बे की हवाई पट्टी, जेल और पेट्रोल पम्पों पर कब्जा किया।
- 2005- दिवाली के त्यौहार की गहमा गहमी में डूबे दिल्ली शहर के व्यस्त बाजारों में बम विस्फोट।
- 2012- अमेरिका के पूर्वी तट पर सैंडी तूफान के कारण 286 लोगों की मौत हुई।
- 2015- चीन ने एक बच्चे की नीति को खत्म करने की घोषणा की।

निशाना

आ रही दरार !

- कृष्णेन्द्र राय

धीरे धीरे गठबंधन में ।
आ रही दरार ।।
बह रही चुनाव की ।
अलग ही बयार ।।
आबोहवा बदल रही ।
आंख रहे तरेर ।।
काट रहे अब कन्नी ।
पहले थे दिलेर ।।
समय समय की बात है ।
चक्र रहा बदल ।।
हुए थोड़े दूर ।।
पास थे जो कल ।।
है चुनाव सर पर ।
मिल रहे ना मन ।।
बिगड़ रही जो बात ।
ना रहु वो बन ।।

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम ब?ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बड़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था।

लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि

भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगड़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आर्तकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं।

चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भ?काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढे चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है।

भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोडा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बडा खामियाजा उसे भुगतना पडा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। निःसंदेह संबंध सामान्य होने से चीन के आर्थिक हित सधेंगे, लेकिन भारत को अपने आर्थिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। क्योंकि भारतीय जमीन पर चीनी सेना के अतिक्रमण की वजह से ही दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तनाव के कारण दूरियां काफी बढ गयी थी। इन दूरियों के दंश को मिटाने में समय, समझ एवं सूझबूझ की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी एक परिपक्व राजनेता के रूप में पिछले पांच बरसों से राष्ट्रपति चिनफिंग से इसलिए नहीं मिले कि चीन जब तक अपनी सेना पीछे नहीं करेगा, तब तक दोनों की मुलाकात नहीं हो सकती। कजान में हुई बातचीत में जिस तरह रिश्तों को सामान्य बनाने पर जोर दिया गया है, उसके मद्देनजर भारत का जोर इस बात पर भी रहेगा कि एलएसी के पीछे के इलाकों से दोनों देश अपनी सैन्य तैनाती पूरी तरह खत्म कर दें। दोनों देशों को एलएसी पर पूरी तरह परस्पर भरोसे का माहौल कायम करना होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि देपसांग और डेमचोक पर भी सहमति बनी है। लेकिन भारतीय जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों देशों ने सीमा पर जो 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं, उन्हें कब वापस लाया जाएगा? ताजा घटनाक्रम की सफलता एवं सार्थकता तभी संभव है जब एक दूसरे के प्रति आदर, विश्वास, भरोसा और संवेदनशीलता होगी। रूस के कजान शहर में एक अच्छी शुरुआत जरूर हुई है लेकिन आगे का रास्ता तभी खुलेगा जब कुछ हद तक चीन अपना रवैया बदलेगा।

-साभार: यह लेखक के विचार हैं।

खामोशी से सुधरे भारत-अरब देशों के रिश्ते

भारत के प्रमुख अरब देशों के साथ संबंध हमेशा से मजबूत रहे हैं। पिछले दशक में, और भी प्रगाढ़ और बहुआयामी हो गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और अन्य पश्चिमी देशों के साथ भारत के व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर काफी ध्यान दिया जाता है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन जिस ओर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, पर दिया जाना चाहिए, वह है खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ भारत के बढ़ते रिश्ते। भारत के पास पहले से ही 'पड़ोसी पहले' नीति है, लेकिन 'पड़ोसी' मुल्क की परिभाषा क्या हो, इस पर अभी भी अनिश्चितता और यहां तक कि विवाद भी है। कुछ लोग अक्सर इसकी विवेचना खैबर दर्रा और बंगाल की खाड़ी के बीच के क्षेत्र के रूप में करके संतुष्ट हो जाते हैं! अब समय आ गया है कि अरब सागर और फारस की खाड़ी के पार छह अरब देशों- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, कतर और बहरीन- को भारत के विस्तृत पड़ोस के हिस्से के रूप में शामिल किया जाए। यह छहों अरब देश खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के माध्यम से राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यह 1981 में गठित जीसीसी क्षेत्रीय निकाय है, जिसका मकसद अपने छह सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है। जीजीसी मुल्कों के साथ भारत के मजबूत संबंध सदियों से रहे हैं जिनका स्वरूप भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक व्यापार संबंध, ऊर्जा सुरक्षा और एक बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की उपस्थिति से बनता है। लगभग 89 लाख से अधिक भारतीय जीसीसी देशों में रहते और काम करते हैं, जो इसको इस इलाके में सबसे बड़े प्रवासी समूहों में एक बनाता है।

सबसे अधिक संख्या में भारतीय नागरिक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहते हैं, जिनकी कुल संख्या 35 लाख है। सऊदी अरब में 26 लाख और कुवैत 11 लाख से अधिक भारतीय नागरिकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य जीसीसी देशों में ओमान (7,79,000), कतर (7,45,000) और बहरीन (3,23,000) शामिल हैं। यह विशाल और संपन्न प्रवासी आबादी भारत के लिए विदेशी मुद्रा पाने का एक प्रमुख स्रोत है। वित्त वर्ष 2023-24 में, भारत को कुल मिलाकर 123 बिलियन डॉलर मुद्रा प्राप्त हुई थी, जिसमें खाड़ी के अरब देशों का हिस्सा काफी बड़ा रहा। विशेष रूप से, अकेले यूएई से भारत को सकल विदेशी मुद्रा का 18 फीसदी प्राप्त हुआ, जिससे यह देश संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद विदेशी मुद्रा पाने का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बना।भारत की कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की ज़रूरतों का बहुत बड़ा अंश खाड़ी मुल्कों से आता है, जीसीसी भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है (यहां तक कि यूरोपीय संघ से भी बड़ा) और हमारी ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। छह अरब खाड़ी देशों के भारी महत्व को देखते हुए, भारत को आने वाले वर्षों में जीसीसी के सभी सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाना होगा, जिसमें यूएई और सऊदी अरब पर विशेष ध्यान दिया जाए। अरब की खाड़ी के देशों का सदियों से भारत के पश्चिमी तटों पर स्थित बंदरगाह, विशेष रूप से केरल के साथ, दोतरफा व्यापार संबंध रहा है। संयोगवश, अब भी संकेत मिल रहे हैं कि यूएई और सऊदी अरब बड़ी संख्या में भारतीय कामगारों के वास्ते नई आवास सुविधाओं की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में हैं, जिनके वहां काम करने के लिए पंहुचने की आशा है। जीजीसी मुल्कों के साथ भारत संयुक्त अभ्यास और सुरक्षा वार्ता के माध्यम से भी अपने सैन्य संबंध बढ़ा रहा है। वैसे, खाड़ी देशों की प्रवृत्ति पश्चिमी शक्तियों पर भरोसा करने की रही है। उल्लेखनीय है, कतर और फारस की खाड़ी क्षेत्र के अन्य अरबी देशों ने अमेरिकी सेना को भूमि और अन्य सुविधाएं प्रदान कर रखी हैं। बहरीन के मनामा में अमेरिका के पांचवें बेड़े का केंद्रीय कमान मुख्यालय है, साथ ही रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना भी समुद्री सुरक्षा प्रदान कर रही है। भारत भी अरब की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में भूमिका निभा सकता है। भारतीय नौसेना के पास कई तरह के जहाज हैं जिन्हें वह इस उद्देश्य के लिए तैनात कर सकता है। भारत के पास अब 2 विमानवाहक पोत, 8 टैंक लैंडिंग जहाज, 11 विध्वंसक और 12 फ्रिगेट हैं, इसके अलावा 16 हमलावर पनडुब्बियां हैं जिनका वह ज़रूरत पड़ने पर इस्तेमाल कर सकता है। लाल सागर में समुद्री जहाज़ों पर हुत्थी लड़ाकों द्वारा बढ़ते हमलों के बाद, भारतीय नौसेना ने अरब सागर और लाल सागर के पूर्वी इलाकों में कम से कम एक दर्जन युद्धपोत तैनात किए हैं, जो इस क्षेत्र में उसकी सबसे बड़ी तैनाती है। इसके अलावा, भारत ने अब दो परमाणु पनडुब्बियां (आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात) का निर्माण और कमीशन भी किया है, जिन्हें ज़रूरत पड़ने और अनुरोध करने पर इस क्षेत्र में मित्र देशों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तैनात किया जा सकता है।शेष सब के अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खाड़ी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान है- और कुछ मामलों में क्षेत्र के कुछ देशों के नेताओं के साथ मजबूत व्यक्तिगत समीकरणों के चलते भी- इससे संबंधों में नए आयाम जोड़ने में सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद मोदी ने रिकॉर्ड सात बार यूएई का दौरा किया है। उन्होंने सऊदी अरब और कतर का दो बार दौरा किया है। इस क्षेत्र से हमें रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा और निवेश देने में यूएई सबसे ऊपर है। अरबी मुल्कों में यूएई भारत का सबसे बड़ा निवेशक है, वहां से 2023-24 में लगभग 3 बिलियन डॉलर आए हैं। यह 2023-24 में छठा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा स्रोत और 2000 के बाद कुल मिलाकर सातवां सबसे बड़ा स्रोत है।

भारत और खाड़ी देशों को शामिल करते हुए, एक और महत्वाकांक्षी नई वैश्विक पहल की शुरुआत सितंबर, 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 बैठक के दौरान एक नया व्यापारिक मार्ग बनाने की घोषणा से हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं के साथ मिलकर, इस व्यापारिक मार्ग परियोजना का अनावरण किया, जो रेलवे और बंदरगाहों के माध्यम से भारत को मध्य पूर्व और यूरोप से जोड़ेगा। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि यह चीन की बेल्ट एंड रोड पहल नामक परियोजना का एक विकल्प होगा, भले ही सीधा प्रतिद्वंद्वी न भी हो। इस परियोजना में अरब देशों के अलावा यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली और जर्मनी भी शामिल हैं। इसमें दो अलग-अलग मार्ग हैं- एक पूर्वी गलियारा जो भारत को खाड़ी के अरब देशों से जोड़ेगा और एक है उत्तरी गलियारा, जो खाड़ी देशों को यूरोप से जोड़ेगा।

प्रधानमंत्री की खाड़ी देशों के प्रति पहल को इस संस्थागत तंत्र की स्थापना से और बल मिला है। रणनीतिक वार्ता के लिए पहली भारत-जीसीसी संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक सितंबर की शुरुआत में हुई थी। वर्ष 2024-2028 के लिए एक संयुक्त कार्य योजना अपनाई गई, जिसमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, परिवहन, स्वास्थ्य, कृषि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में रक्षा सहयोग और आतंकवाद विरोधी प्रयासों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य और यूक्रेन और गाज़ा में बिगड़ते संघर्षों के अलावा ईरान और इस्राइल से जुड़े तनावों से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने में सबके हित साझा हैं। स्पष्टतः, खाड़ी सहयोग परिषद के देशों के साथ हमारे बहुआयामी संबंध पहले से ही हैं और आगे भी बने रहेंगे, वे वैश्विक क्षेत्र में भारत की बढ़ती आर्थिक और राजनीतिक शक्ति का अभिन्न अंग हैं।

साभार: लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं। यह उनके विचार हैं

पटाखों की दुकानों, भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्र

मध्यप्रदेश शासन ग्रह (सी-अनुभाग) विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा निम्नानुसार दल का गठन किया गया है। जो स्थाई तथा अस्थाई सभी दुकानों का सतत निरीक्षण करेंगें। यदि कोई अतिशबाजी विकेता विस्फोटक अधिनियम एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसका अतिशबाजी लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

जारी आदेशानुसार दल प्रभारी श्रीमति नीता कोरी अनुविभागीय दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ग्रामीण एवं हेमंत सूत्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नर्मदापुरम, एस0सी0 अग्रवाल मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत माखननगर दल के सदस्य रहेंगे। जिनका क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण नर्मदापुरम अनुविभाग ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों / भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।

इसी तरह ब्रजेन्द्र कुमार रावत सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम दल प्रभारी एवं पराग सैनी अनुविभागीय आधिकारी (पुलिस) नर्मदापुरम, श्रीमति हेमेश्वरी पटले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नर्मदापुरम, अवधेश त्रिपाठी, डी0ई0/कार्य0 यंत्री नर्मदापुरम एवं महेन्द्र सिंह तोमर उपयंत्री, नर्मदापुरम सदस्य रहेंगे। जिनका क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण नर्मदापुरम अनुविभाग नगरीय क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों/भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।

टी. प्रतीक राव (आई.ए.एस.) अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी दल प्रभारी रहेंगे एवं महेन्द्र सिंह चौहान अनुविभागीय आधिकारी (पुलिस) इटारसी, श्रीमति रितु मेहरा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी, अंकुर मिश्रा, डी.ई./कार्य. यंत्री इटारसी एवं सुरेन्द्र रावत, उपयंत्री, इटारसी दल के सदस्य रहेंगे। जिनका क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण इटारसी अनुविभाग क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों / भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।असवन राम चिरामन अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर दल प्रभारी रहेंगे एवं श्री संजय चौहान अनुविभागीय आधिकारी (पुलिस) सोहागपुर, राकेश मिश्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सोहागपुर, करन मुजालदा, डी0ई0/कार्य0 यंत्री सोहागपुर एवं श्री रामगोपाल चौबे उपयंत्री सोहागपुर दल के सदस्य रहेंगे। जिनका क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण सोहागपुर अनुविभाग क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों / भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।

सुश्री अनीशा श्रीवास्तव (सहायक कलेक्टर) अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया दल प्रभारी रहेंगी एवं श्री मोहित कुमार यादव अनुविभागीय आधिकारी (पुलिस) पिपरिया, आर0पी0 नायक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पिपरिया, श्री पियूष मंडराह, डी0ई0/कार्य0 यंत्री पिपरिया एवं श्री नीतेश पाण्डे, उपयंत्री पिपरिया दल के सदस्य रहेंगे। जिनका क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण पिपरिया अनुविभाग क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों / भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।

श्रीमति सरोज सिंह परिहार अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनी मालवा दल प्रभारी रहेंगी एवं राजू रजक अनुविभागीय आधिकारी (पुलिस) सिवनी मालवा, सुश्री शीतल भल्लावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिवनी मालवा, अवधेश त्रिपाठी, डी0ई0/कार्य0 यंत्री नर्मदापुरम एवं राहुल शर्मा उपयंत्री सिवनी मालवा दल के सदस्य रहेंगे। जिनका कार्य क्षेत्र एवं दायित्व संपूर्ण सिवनी मालवा अनुविभाग क्षेत्र अन्तर्गत स्थाई तथा अस्थाई पटाखों की दुकानों / भण्डारण परिवहन एवं संग्रहण भवन का सघन निरीक्षण कर यथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करेंगें।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक में लिए कई निर्णय..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्र

रविवार को भारतीय मजदूर संघ जिला नर्मदापुरम की जिला बैठक आहूत की गई. जिसमें आगामी समय में 15 से 17 नवम्बर 2024 को होने वाली प्रदेश कार्य समिति की बैठक का आयोजन की व्यवस्था का कार्य नर्मदापुरम संभाग को मिला है। भारतीय मजदूर संघ प्रदेश कार्य समिति मध्यप्रदेश की बैठक व्यवस्था हेतु आयोजक टीम की बैठक नर्मदापुरम द्वारा रखी गई जिसमें 3 दिवसीय बैठक में आने वाले पदाधिकारीयों व कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा कर स्थानीय पदाधिकारियों को कार्य सौंपे गए। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष निपेंन्द्र सिंह भारतीय मजदूर संघ ने की। बैठक में वंदना राजोरिया प्रदेश उपाध्यक्ष निपेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष सुनील सिंह चौहान जिला कोषाध्यक्ष दशरथ तिवारी प्रदेश मंत्री दाताराम सगर जिला उपाध्यक्ष शिवनारायण शर्मा नरेंद्र तिवारी रामेश्वर पटेल पुलिन शास्त्री शिवम उपाध्याय सुंदर नारायण पंकज पांडे उपस्थित थे।

आँगनवाड़ी केन्द्र पर खाद्य सामग्री का वितरण किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्र

वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. मयंक तोमर ने स्वस्थ भारत अभियान के तहत वी डिस्ट्रिक्ट क्लब की प्रमुख प्रेमलता जयसिंह तोमर के साथ आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 17/1, 17/4 पहुंचे और छोटे बच्चों के मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए खाद्य सामग्री वितरित कर पोषण सप्ताह मनाया। इसी दिन डॉक्टर तोमर ने नर्मदा घाट पर पौधारोपण कर स्वच्छता अभियान चलाया। इसके साथ ही डॉ तोमर ने अपने निज निवास पर सुंदरकांड का आयोजन किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा अरुण दीक्षित के एस राजपूत दिवोलिया के एन त्रिपाठी सुरेंद्रजीत, जयबाला निगम संजीव शर्मा उपस्थित थे।

बिजली कंपनी के डीजीएम के विरुद्ध एफआईआर कराने थाने पहुंची महिलाएं

आरोप लगाया कि डीजीएम ने पथरौटा थाना में पीडित ग्रामीण को धमकी दी है कि जीवन भर अंधेरे में रहोगे, बिजली नहीं जलने दूंगा घर पर

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

बिजली कंपनी के इटारसी उप महाप्रबंधक अंकुर मिश्रा (डीजीएम) पर ग्राम पांडरी आयुध नगर की एक सैकडा महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए पथरौटा थाने में एफआईआर कराने के लिए ज्ञापन दिया है। उन्होंने कहा कि डीजीएम संविधान में नागरिकों को मिले मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए गांव के एक परिवार को धमका रहे हैं कि तुम्हारे घर से मीटर कनेक्शन बंद करुंगा और कभी लगने भी नहीं दूंगा, हमेशा अंधेरे में रखुंगा। गंभीर बात यह है धमकी उन्होंने पथरोटा थाने में खडे होकर दी। इसके बाद उन्होंने पीडित परिवार पर उनके कर्मचारियों के साथ मारपीट करने की झूठी एफआईआर भी दर्ज कराई, जिसमें पीडित परिवार पर गंभीर आरोप उनके द्वारा तानाशाही पूर्वक लगाए गए हैं।

पांडरी गांव की महिलाएं और पुरुष जिनकी संख्या एक सैकडा से अधिक थी, वह ट्रेक्टर ट्राली और अन्य वाहनों में बैठकर पथरोटा थाने पहुंची। उन्होंने यहां बिजली कंपनी तानाशाही नहीं चलेगी, मिश्रा पर एफआईआर करो, के नारे लगाकर थाने में प्रवेश किया और थाना प्रभारी संजीव पंवार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान पीडित परिवार की मुखिया हीराबाई मालवीय के साथ गांव की महिलाएं शांति बाई, अनीता दुबे, लक्ष्मी बाई, सरस्वती उइके, नगीना दुबे, रामबाई, ललिता साहू, इटारसी के सामाजिक कार्यकर्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक शर्मा, जितेंद्र ओझा, मनीष ठाकुर, कुलभूषण मिश्रा, बसंत चौहान सहित एक सैकडा अन्य लोग मौजूद थे।

आवेदन में लिखा घटनाक्रम

ग्रामीणों की ओर से पीडित परिवार की मुखिया प्रजापति हीराबाई ने जो आवेदन लिखा है उसमें उन्होंने डीजीएम अंकुर मिश्रा पर आरोप लगाए हैं कि 26 अक्टूबर को शाम 4 बजे उनके घर नारायण रावत, सचिन पटेल, संतोष मंडल पहुंचे। वे बिना सूचना के बिजली काटने आए थे। उनसे उनके पति गोपाल प्रसाद मालवीय उम्र 65 वर्ष ने कहा कि हम प्रजापति समाज से हैं अभी दीपावली पर मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं में रंग लगाने का काम चल रहा है, बिना बिजली के यह हो नहीं पाएगा। दीपावली पर हमारा मुख्य व्यवसाय होता है आप थोडी सी मौहलत दें। वे कुछ पैसा जमा कर सकते हैं। लेकिन बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने कहा कि जब हैसियत नहीं है तो इतनी बिजली जलाते क्यों हो, घर तो बहुत बडा बना रखा है, हम मान ही नहीं सकते कि तुम्हारे पास पैसा नहीं होंगे। हीराबाई ने आरोप लगाया कि जब बिजली कर्मी बिजली काटने लगे तो मेरे पति ने उनसे हाथ जोडकर मोहलत मांगी, जिस पर उन्हें धमका देकर दूर कर दिया और आवेश में मेरे पति की कॉलर पकड ली। इसी से विवाद शुरु हो गया।

थाने में धमकी

बिजली कंपनी से पीडित परिवार ने पथरौटा थाने में दिए आवेदन में आरोप लगाया कि 26 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे उनका बडा बेटा राजेश मालवीय पथरौटा थाने में मौजूद बिजली कंपनी के डीजीएम अंकुर मिश्रा से इस पूरे मामले में बातचीत करने के लिए पहुंचा था। वहां उसने उनके परिवार की ओर से किए कृत्य की माफी भी मांगी, कहा आपके कर्मचारियों द्वारा मेरे पिता से की गई अभद्रता और उनकी कॉलर पकडने के बाद विवाद मेरे भाई उग्र हुए थे, लेकिन झूमा झटकी और गाली गलौज हुई जो कि दोनों पक्षों से हुई थी। बावजूद मैं माफी मांगता हूं। जिस पर डीजीएम ने कहा कि हम एफआईआर कराएंगे। साथ ही यह भी कहा कि अब तुम हमेशा अंधेरे में ही रहोगे।

शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी शाला में संयुक्त राष्ट्र संगठन का स्थापना दिवस मनाया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्र

शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी शाला में संयुक्त राष्ट्र संगठन का स्थापना दिवस वरिष्ठ शिक्षाविद्/करियर काउंसलर डॉ. मयंक तोमर के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया, जो संयुक्त राष्ट्र और उसके दृष्टिकोण पर विचार साझा करने के लिए कन्या शाला गए थे, सबसे पहले उनका स्वागत प्राचार्या अर्चना मिश्रा ने एक पौधे के साथ किया। प्रबंधन द्वारा डॉ.मयंक तोमर को छात्राओं को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ.मयंक तोमर ने कहा कि विश्व पहले ही दो बड़े विश्व युद्ध झेल चुका है, इसलिए भविष्य में किसी भी युद्ध से बचने के लिए इसकी अत्यधिक आवश्यकता है और इसके परिणामस्वरूप 1945 में 24 अक्टूबर को एक अत्यधिक विश्व सम्मानित और मान्यता प्राप्त संगठन की स्थापना हुई, जिसका नाम संयुक्त राष्ट्र संगठन रखा गया, जिसका मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर अमेरिका में है। आगे डॉ.मयंक तोमर ने बताया संयुक्त राष्ट्र शांति सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिलना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, प्राचार्या मिश्रा ने छात्राओं के साथ ऐसी महत्वपूर्ण बातें साझा करने के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से डॉ.तोमर को धन्यवाद दिया।

संभागीय शालेय महिला हॉकी प्रतियोगिता में रायसेन तीनों वर्गों में विजेता

रायसेन। मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम भोपाल में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय प्रतियोगिता के महिला वर्ग अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग में रायसेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों वर्ग में विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे द्वारा सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। भोपाल में गत दिवस 26 अक्टूबर को आयोजित शालेय हॉकी प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में रायसेन ने सेमीफाइनल में भोपाल को 4-0 से हराया एवं फाइनल मैच में सीहोर को 5-0 पराजित कर रायसेन विजेता बना।

मेट्रो एंकर — कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्र

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डी. के. सिंह ने धनतेरस पर्व 29 अक्टूबर को एवं दिपावली पर्व 31 अक्टूबर के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु मजिस्ट्रेट / अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर उनको दायित्व सौंपे है।

जारी आदेशानुसार श्रीमति नीता कोरी अनुविभागीय दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ग्रामीण संपूर्ण नर्मदापुरम अनुविभाग (ग्रामीण) अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगी। उनके सहायक के रूप में दिव्यांशु नामदेव तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ग्रामीण, सुनील गढ़वाल तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, डोलरिया, अनिल पटेल तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, माखननगर, श्रीमति दीप्ती चौधरी नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, नर्मदापुरम, ग्रामीण, पूनम सिंह सलामे नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, डोलरिया एवं श्रीमति नीरू जैन नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, माखननगर प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

इसी तरह ब्रजेन्द्र कुमार रावत सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम संपूर्ण नर्मदापुरम अनुविभाग नगरीय अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगे। इनके सहायक के रूप में श्री देवशंकर धुर्वे तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम नगरीय, सुश्री स्वीटी चौहान नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम नगरीय एवं श्रीमति सृष्टि डेहरिया नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम नगरीय प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

टी0 प्रतीक राव (आई0ए0एस0) अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी संपूर्ण इटारसी अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगे। जिनके सहायक श्रीमती सुनीता साहनी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी इटारसी, श शंकर सिंह रघुवंशी नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी इटारसी-केसला एवं श्री हीरू कुमरे नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी इटारसी प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

असवन राम चिरामन अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर संपूर्ण सोहागपुर अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगे। जिनके सहायक श्री राकेश खजुरिया तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सोहागपुर, श्रीमति अंजू लोधी नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सोहागपुर एवं श्री रंजीत सिंह चौहान नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सोहागपुर प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

सुश्री अनीशा श्रीवास्तव (सहायक कलेक्टर) अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया संपूर्ण पिपरिया अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगे। जिनके सहायक श्री वैभव बैरागी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पिपरिया, श्रीमति अलका इक्का तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी बनखेड़ी,तीरथ प्रसाद इरपाचे नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पिपरिया, नीरज बैस नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पिपरिया एवं रामसिपाही मरावी नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी बनखेड़ी प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

श्रीमति सरोज सिंह परिहार अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनी मालवा संपूर्ण सिवनी मालवा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अन्तर्गत कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी रहेंगी। जिनके सहयोगी नितिन कुमार राय तहसीलदार सिवनी मालवा, श्रीमति कीर्ति प्रधान नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सिवनी मालवा, एवं शक्ति तोमर नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सिवनी मालवा प्रभारी अधिकारी के सहायक के रूप में कार्य करेंगें।

उक्त अधिकारियों को आदेशित किया गया है कि वे अपने कर्तव्य स्थल पर त्यौहार / पर्व के दौरान अपनी उपस्थिति की सूचना अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम को देंगे एवं सौंपे गये कार्य संपादित करेंगे।

सुबह 10 बजे से लेकर 3 बजे तक बिजली गुल होने से उपभोक्ता हुए परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वैसे ही प्रतिदिन बिजली वितरण कंपनी के द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर अलग-अलग क्षेत्र की बिजली की सप्लाई बंद करके घंटे परेशान किया जा रहा है। दूसरी ओर रविवार को एक दिन पहले ही सूचना दिए बगैर हाजीपुर आदि फीटर बंद होने से व्यापारियों से लेकर उपभोक्ताओं को भी परेशान होना पड़ा सबसे ज्यादा परेशानी व्यापारियों को उठानी पड़ी जिनके द्वारा वेल्डिंग और तथा कृषि कार्य ठीक किया जाता है उनकी दुकानदारी पूरी तरह चौपट हो गई है। इसके अलावा घरों में पानी को लेकर भी किल्लत का सामना करना पड़ा क्योंकि लोगों को पहले से ही बिजली सप्लाई बाधित होने की जानकारी नहीं थी अचानक 10 बजे से जैसे ही बिजली की सप्लाई आधे से ज्यादा शहर में बंद हुई तो लोगों को पानी से लेकर अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ा दस बजे बिजली गायब हुई तो 2रू30 बजे के बाद ही सप्लाई प्रारंभ हुई इस दौरान कई बार उपभोक्ताओं ने बिजली वितरण कंपनी के कार्यालय में फोन भी लगाया पर वहां से सही जवाब नहीं दिया गया इसके बाद प्रदेश टुडे ने बिजली वितरण कंपनी एई सुशील समेले बिजली सप्लाई होने की बारे में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस के लिए सप्लाई रोकी गई है, जल्दी हम सप्लाई प्रारंभ कर देंगे दूसरी ओर त्यौहार है इस दौरान लोगों के द्वारा घरों दुकानों की साफ सफाई करने का कार्य भी किया जा रहा है। बिजली नहीं होने से उनको भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा इसकी जानकारी होने के बाद भी रविवार को मेंटेनेंस का कार्य किया गया इसके कारण उपभोक्ताओं में कंपनी के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला। वैसे ही कुछ दिनों से बिजली की लुका छुपी सभी के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।

शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने पर अब तक 182 अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने वाले 182 अधिकारी, कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे इन अधिकारी, कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन पद से पृथकता, वेतनवृद्धि रोकने और कारण बताओं सूचना पत्र जारी किए गए थे। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में संबंधित विभागो के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई है उनमें सर्वाधिक स्कूल शिक्षा विभाग के 130 शिक्षकों पर कार्यवाही हुई है। टीएल बैठक में अनुपस्थित रहने वाले 21 अधिकारियों को शोकॉज नोटिस दिए गए है जबकि सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज आवेदनो में एल वन स्तर पर जबाव दाखिल नहीं करने वाले 20 अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी किए गए है इसके अलावा जिला पंचायत के 8 कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है जिसमें तीन ग्राम पंचायतो के सचिवो को निलंबित किया गया है इसी प्रकार तीन ग्राम रोजगार सहायको के खिलाफ भी निलंबन की कार्यवाही की गई है जबकि दो ग्राम रोजगार सहायको के खिलाफ पद से पृथक करने की कार्यवाही की गई है। वही तीन पटवारियों के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की गई है।

जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य अंतर्गत अर्न्त-विभागीय बैठक 28 अक्टूबर को

रायसेन , दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तर पर अर्न्त-विभागीय बैठक 28 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे रायसेन स्थित होटल अमोघ में आयोजित की गई है। बैठक में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर जलवायु परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य विषय पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री परिषद द्वारा जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर प्रभाव का निवारण करने हेतु स्वास्थ्य मिशन को चिन्हित किया गया है। प्रधानमंत्री मौसम परिवर्तन काउंसिल द्वारा चयनित स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य मौसम प्रभावित बीमारियों एवं मृत्यु को कम करना है।

137 के स्थान पर 150 वसूल रहे है बस संचालक, विदिशा-भोपाल आरटीओ का *आशीर्वाद*

सिरोंज-भोपाल बस संचालक नियम विरुद्ध वसूल रहे है यात्रियों से किराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ज्ञात होकि सिरोंज से भोपाल चल रही बसों में बस संचालक नियम विरुद्ध यात्रियों से किराया, वसूल रहे है नियमानुसार 1.25 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से 110 किलोमीटर का किराया 137 रुपये बनता है इसके स्थान पर बस संचालक 150 वसूल रहे है। और इस बात की विदिशा और भोपाल आरटीओ को या तो खबर नहीं है फिर बस संचालकों पर इनका आशीर्वाद है जिससे आम जनता को बस संचालक लूट रहे है बस संचालक शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में चल रही अधिकाष बसें खटारा है। ग्रामीण क्षेत्र में चलने वाली बस संचालकों के पास न तो बीमा है और न ही फिटनेस सर्टिफिकेट। इसके बाद भी यह बसें जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं करने के कारण बैखौफ हो चल रही हैं।

खटरा बसों में न तो खिड़कियों में कांच लगे हैं और न ही दरवाजे। इन बसों में किराया सूची भी नहीं लगी है। इस कारण बस स्टाफ द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जाता है। यात्रियों द्वारा अधिक किराये की बात करने पर बस स्टाफ द्वारा यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। नियमानुसार किराया सूची में किमी के हिसाब से किराया लिखा रहता है। यह सूची आरटीओ विभाग द्वारा बसों में लगाई जाती है। स्थानीय बस स्टैंड रोजाना 100 से अधिक बसें गुजरती हैं।

यह बसें सिरोंज से भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा, अशोकनगर, गुना, चंदेरी, लटेरी, ब्यावरा और इंदौर के लिए जाती हैं। इन बसों में स्टाफ द्वारा रोजाना ठूंस-ठूंस कर यात्रियों को भरा जाता है। क्षेत्र में चल रहीं कुछ बसों के पास कागजात भी नहीं है।

अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

कई दुर्घटनाओं के बाद भी सड़कों पर खटारा बसें बिना किसी रोक टोक के दौड़ रही है। निजी बस आपरेटरों की मनमानी पर अंकुश लगाने वाला परिवहन विभाग व प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सुरक्षा के मापदण्डों की अवेहलना उड़ाते हुए कई बसे सिंगल दरवाजों की बसों का संचालन हो रहा है, दरअसल खटारा हालत में दौड़ रही कई बसों में खिड़कियां तक नहीं है, दरवाजे टूटे हुए है और फर्स्टएड बाक्स के इंतजाम भी नहीं है, अधिकांश बसें क्षमता से अधिक सवारियां ढो रही है। सिरोंज बस स्टेंड से प्रतिदिन 100 से अधिक बसों का संचालन होता है और यहां से दूर-दराज के क्षेत्रों में बसें जाती है।

अग्नि शयन यंत्र सिर्फ दिखाने का

देखा जा रहा है बसों में रखे अग्नि शयन यंत्र सिर्फ दिखाने को रखे है इनमे देखा जाये तो यह चालू ही नहीं है किसी बस का खराब और किसी बस के अग्नि शयन यंत्र में गैस नहीं है अभी हादसा हुआ तो बस की आग किस तरह बुझाई जायेगी आरटीओ अधिकारी महरबान है कभी बसों के अन्दर जाकर ही नहीं देखते क्या हो रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों कई बसे बिना परमिट के चल रही है

कई बसे ग्रामीण क्षेत्रों बिना परमिट के ही रोडों पर दोड़ रही है सिरोंज से भोपाल, बसोदा, बीना, मंडी बमोरा, कुरवाई, विदिशा आदि अगर इनकी जाँच हो तो सरकार का लाखों का फायदा होगा।

यह है नियम

नियम अनुसार 20 साल पुरानी बस नहीं चलना चाहिए और बसों में डबल गेट, इमरजेंसी गेट, किराया सूची, फिटनेस, बीमा व परमिट, अग्निशमन यंत्र सहित बस रूट लिखा होना चाहिए जो कई बसों में नदारद है। महिलाओं के लिए सीटें भी आरक्षित नहीं है, और किराया भी मनमाना वसूला जा रहा है। परिवहन विभाग के नियम अनुसार चालक व कंडक्टर वर्दी में होना चाहिए व उन्हें पहचान पत्र लगाकर रखना चाहिए पर इन सभी नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बुरा हाल

सबसे अधिक खटारा बसें क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में संचालित की जा रही है इन क्षेत्रों में चलने वाली बसों में जमकर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है सिरोंज क्षेत्र रेलवे लाइन से दूर है इस कारण सारा दारोमदार इन यात्री बसों पर टिका हुआ है ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाली बसों में यात्रियों को क्षमता से अधिक कर भरा जाता है एवं छत के ऊपर भी सवारियां की जान जोखिम में डालकर बिठा दी जाती है इस कारण सबसे अधिक परेशानी का सामना वृद्ध और और महिलाओं को करना होता है।

नाम की नान स्टॉप

सिरोंज भोपाल रोड पर चलने वाली अधिकांश नॉनस्टॉप बसें संचालित होती है लेकिन यात्रियों को बस स्टैंड से नॉनस्टॉप का कहकर बिठाया जाता है परंतु ऐसा होता नहीं है यह नॉनस्टॉप पूरे रास्ते पर यात्रियों को उतारती और बेटाती हुई चलती है यात्रियों द्वारा विरोध करने पर कंडेक्टर द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है।

उद्यानिकी फसलों की ओर किसानों का रूझान बढे के प्रयास करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग जिला विदिशा द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत प्रचार प्रसार हेतु जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि समिति के सभापति श्री धनराज सिंह दांगी जी एवं श्री पंकज जैन सीईओ जिला पंचायत विदिशा की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुआ।

पुरानी कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना पर जोर दिया गया। समिति के सभापति श्री धनराज सिंह दांगी ने कहा कि विदिशा जिले में इस योजना से सूक्ष्म और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा जिस से विदिशा जिले के युवा आत्मनिर्भर बनेंगे अपने उत्पादों को देश- विदेश में विक्रय कर जिले का नाम रोशन होगा , उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देते हुए कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में गठित स्वसहायता समूह खासकर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगाने हेतु आगे लाने के प्रयास किए जाएं महिलाएं उन्नति करेंगे तो परिवार व बच्चे स्वम उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंकज जैन ने समूह को अपनी नर्सरियों को विकसित करने पर जोर दिया। बैठक में उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक जी गिरवाल ने विभागीय गतिविधियां की विस्तृत जानकारी देते हुए उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करते हुए उद्योग लगाने के लिए विभागीय अमले के माध्यम से प्रचार प्रसार कर विशेष पहल की जायेगी। इससे पहले प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के मापदंडों से सभी को अवगत कराया गया साथ ही योजना के प्रचार प्रसार गतिविधि का अक्षरशः क्रियान्वयन कराने के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे से जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने आश्वस्त कराया है। बैठक में जिले के एसआरएलएम एवं एसयूआरएल अधिकारीयो एवं जिले के उद्यानिकी विभाग के समस्त विकासखंड अधिकारी तथा जिले के रिसोर्स पर्सन मौजूद रहे।

हम्माल तुलावट यूनियन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न कई विषयों पर हुई चर्चा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में हम्माल तुलावट यूनियन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में हम्माल तुलावट यूनियन के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष चेतन अहिरवार,जिला उपाध्यक्ष राजेश अहिरवार,जिला महामंत्री हाफिज शम्स कमर,प्रवक्ता महेश पटेल,यूनियन के तहसील अध्यक्ष अजीम खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में यूनियन के पदाधिकारियों ने हम्मालों और तुलावटों के साथ उनकी समस्याओं को लेकर चर्चा की।साथ ही यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा की वे एक जुट होकर हम्माल और तुलावटों की समस्याओं की आवाज उठाएंगे।इस दौरान जिला महामंत्री हाफिज शम्स कमर द्वारा सभी पदाधिकारियों का साफा बांधकर व मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

मेट्रो एंकर

स्किल इंडिया अभियान के तहत अब नगर में निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

40 महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के लिए सीख रही ब्यूटी पार्लर कोर्स

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्किल इंडिया अभियान के तहत अब नगर में निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य घर पर बेरोजगार बैठी युवती एवं महिलाओं के लिए रोजगार से जोड़ने का है। आपको बता दें कि स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में स्वावलंबी भारत अभियान नगर सहित जिला एवं प्रदेश भर में लगातार जनजागरूकता के अभियान चला रहा है। इसी के तहत में अब सिरोंज नगर में ब्यूटीशियन का निशुल्क प्रशिक्षण पालीवाल कॉलोनी में प्रारंभ किया गया है। जिसमें 40 युवती एवं महिलाओं को स्किल इंडिया के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्यूटी पार्लर ट्रेनर शालू यादव ने बताया कि भारत में ब्यूटिशियन का आंकड़ा 20: साल की दर से बढ़ रहा है।

आज के स्वरोजगारो पर अगर नजर डालें तो ब्यूटी पार्लर का काम उनमे अलग ही चमकता नजर आयेगा। इस ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण में थ्रेडिंग, ब्लीच, सभी तरह के फेशियल, फेस पैक, हेड मसाज, बॉडी मसाज, हेयर स्टाइल, कलर व कटिंग आदि रोलर सेटिंग, आई ब्रो, शैम्पू, मेहंदी अनेक तरह के मेकअप, नेल केयर आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिसका उद्देश्य स्वावलंबन है। इस उन्होंने बताया की सभी प्रशिक्षुओ को प्रशिक्षण के बाद निशुल्क ब्यूटी पार्लर किट एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। वही इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के जिला प्रचार प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने सभी युवती और महिलाओं से चर्चा की इस दौरान उन्होंने सवाल जवाब भी किए जिसमें कहीं महिलाओं ने उन्हें ब्यूटी पार्लर के अलावा अन्य तरह की जानकारी दी।

ब्यूटी पार्लर का कोर्स सीख रही विजय श्री शर्मा बताती है कि वह सिलाई कढ़ाई में माहिर हैं। उनकी सिलाई कढ़ाई आसपास सहित रिश्तेदारों को काफी पसंद आती है। वह जल्द ही इसकी मार्केटिंग भी करेंगी। वही इस अवसर पर मधु साहू ने बताया कि वह मेहंदी बहुत अच्छी डिजाइनिंग के साथ लगाती हैं, कई शादी एवं अन्य आयोजनों में उन्हें बुलाया जाता है।

इस दौरान अन्य महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह स्वावलंबन के क्षेत्र में अलग-अलग कार्य कर रही है। इस मौके पर भारतीय एवं किसान मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष मोहन रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में युवती एवं महिलाएं मौजूद रही।

स्थानीय पार्षद ने कहा हम सभी का करेंगे सम्मान

कार्यक्रम के दौरान वार्ड एक की पार्षद रीना शर्मा ने बताया कि वह ऐसे आयोजनों में हमेशा सहभागी रहती है, उन्होंने कहा कि शालू यादव भले ही उम्र में कम है लेकिन अपने कार्य पद्धति से उसने मोहल्ले में अपनी अलग ही पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम ऐसे युवती एवं महिलाओं को सम्मानित करेंगे जो खुद के स्वावलंबन से अपना भरण पोषण कर आगे बढ़ रही हैं। वहीं उन्होंने कहा कि हमारे वार्ड में आज भी ऐसी कई महिलाएं जो अनेक कामों में निपुण है, लेकिन उन्हें घरों में जो खुला वातावरण मिलना चाहिए किसी कारणवश नहीं मिल पा रहा है। ऐसी महिलाओं के लिए भी मैं लगातार प्रयासरत हूं, और उन्हें हर संभव मदद करती हूं। उन्होंने कहा कि हम स्वावलंबन के तहत रोजगार करने वाली ऐसी सभी महिलाएं और युवतियों का सामूहिक रूप से सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित करेंगे।

40 प्रशिक्षुओं को मिलेगा 8 दिनों का प्रशिक्षण

नगर वार्ड एक पालीवाल कॉलोनी में स्किल इंडिया अभियान के तहत 40 प्रशिक्षुओं को 8 दिनों का ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्यूटी पार्लर ट्रेनर शालू यादव का ब्यकहना कर व्यूटीशियन का सही प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। इसके लिए सरकार आपके साथ हर घड़ी खड़ी है, बस जरूरत है आपके आगे बढ़ने की। उन्होंने कहा कि आप लोगों को सुंदर बनाकर अपने घर को सुंदर बना सकती हैं। ब्यूटी पार्लर के पेशे में अच्छा स्कोप है, आप चाहें तो पूरे परिवार को अपने बूते चला सकती हैं। वहीं उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रारंभ के दौरान फिंगर लगाया जाता है एवं अंत में भी जाने से पहले फिंगर लगाना अनिवार्य है।

29
वर्षीय एथलीट ने हाल ही में विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण जीते हैं

डॉक्टर से साइक्लिस्ट बनीं अना मौरिस, तीन साल की तैयारी से ओलंपिक में जीता पदक

लंदन, एजेंसी

मेहनत का फल जरूर मिलता है और इसका उदाहरण इंग्लैंड की 29 वर्षीय साइक्लिस्ट अना मौरिस हैं, जिन्होंने डॉक्टर बनने के बाद ट्रैक पर उतरने का फैसला किया। हाल ही में विश्व साइक्लिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली मौरिस ने 26 साल की उम्र में फैसला किया कि वह साइक्लिस्ट बनेंगी। मौरिस को एथलीट बनने की प्रेरणा 2020 टोक्यो ओलंपिक से मिली। इसके बाद उन्होंने सिर्फ तीन साल की तैयारी के बाद पेरिस ओलंपिक में पदक जीता।

राष्ट्रीय फेडरेशन ने दिया अनुबंध: 2022 में यूरोपियन चैंपियनशिप में पदक जीतने के बाद मौरिस को राष्ट्रीय साइक्लिंग फेडरेशन ने सालाना अनुबंध दिया। मौरिस ने कहा, इससे मुझे ओलंपिक पदक जीतने का लक्ष्य मिला। एक साल में कॉमनवेल्थ गेम्स खेला मौरिस स्कूल और कॉलेज में साइकिल चलाती थीं। ऐसे में जब उन्होंने ट्रेनिंग शुरू करने का फैसला किया। मौरिस ने 2021 में कार्डिफ में घर के पास स्थित मैंडी वेलोड्रोम में ट्रेनिंग शुरू की। मेहनत का जल्द ही उन्हें फायदा मिला और ट्रायल जीत वह 2022 कॉमनवेल्थ खेलों के लिए चुनी गईं।

...और ओलंपिक पदक का सपना पूरा हुआ

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के बाद आखिरकार मौरिस को पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह मिल गई। उन्होंने ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया और टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मौरिस ने कहा, हमारी टीम ने जब कांस्य पदक जीता तो उसकी खुशी शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं था। तीन साल पहले मैं दूसरों को ओलंपिक पदक जीतते हुए देख रही थी और अब मैं खुद ओलंपिक पदक विजेता था। यह किसी सपने के सच होने जैसा था।

अस्पताल में ओलंपिक देख मिली प्रेरणा

मौरिस ने कहा, मैं ग्लोस्टरशायर के एक अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर थी। वहां काम के दौरान मैं टोक्यो ओलंपिक गेम्स भी देखा करती थी। हालांकि मैंने कालेज के दिनों में साइकिल चलाई थी लेकिन ओलंपिक खेलों के बाद मैंने सोचा कि मुझे कुछ नया करना चाहिए। मेरे अंदर एथलीट बनने की भावनाएं जागृत हो गईं और फिर मैंने नई शुरुआत करने का फैसला कर लिया।

न्यूजीलैंड से 2 टेस्ट हार चुकी टीम इंडिया पर सख्ती

रोहित-कोहली समेत दिवाली पर भी ट्रेनिंग करेगी टीम

मुंबई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट हार चुकी टीम इंडिया को दिवाली पर भी ट्रेनिंग करनी पड़ेगी। 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से पीछे चल रही है। तीसरा टेस्ट मुंबई में होना है और यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए अहम है। टीम मैनेजमेंट ने कहा है कि सभी प्लेयर्स एक नवंबर से शुरू होने जा रहे मुंबई टेस्ट की तैयारियां करेंगे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन नहीं रखने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुंबई में 30 और 31 अक्टूबर को अभ्यास करेगी। ये सेशन सभी खिलाड़ियों को अटेंड करना होगा। रोहित, कोहली और बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को भी दिवाली में आराम नहीं मिलेगा।

मुंबई टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारतीय टीम के लिए अहम है। लगातार 2 मैच हारने के बाद इंडिया को अब अगले 6 टेस्ट में से 4 जीतने ही होंगे। 5 मैच ऑस्ट्रेलिया में हैं। ऐसे में टीम इंडिया को आखिरी मैच जीतना ही होगा। न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप करने में कामयाब हो जाती है तो डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना मुश्किल होगा। सीरीज में 0-2 से पिछड़ रही है भारतीय टीम भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 0-2 से पिछ? रही है। टीम को कीवियों ने शुरुआती 2 टेस्ट मैच में हराया है। इससे पहले टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार गई है। टीम इंडिया को पुणे में खेल गए दूसरे टेस्ट में कीवियों ने 113 रन से हराया। इस जीत से कीवियों ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय ब?त बना ली है। आखिरी मुकाबला एक नवंबर से मुंबई के वानखे? स्टेडियम में खेला जाएगा।

2 पॉइंट्स में ट्रेनिंग सेशन

ऑप्शनल (वैकल्पिक): आमतौर पर मैच से पहले ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन रखा जाता है। इसमें खिलाड़ी के पास ट्रेनिंग छोड़ने का विकल्प रहता है। इस सेशन में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिन्हें ट्रेनिंग की जरूरत होती है। शेष खिलाड़ी होटल में आराम करते हैं। मैच से पहले खिलाड़ियों को तरोताजा रखने के लिए ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन रखा जाता है।

नेसेसरी (जरूरी): यह ट्रेनिंग सेशन तब रखा जाता है, जब दो मैचों के बीच गैप हो। इस सेशन में टीम के सभी खिलाड़ियों का मौजूद रहना अनिवार्य होता है। (आमतौर पर यात्रा और मैच के अगले दिन ट्रेनिंग सेशन नहीं रखा जाता है, ताकि प्लेयर्स आराम कर सकें।)

जोहोर बारू हॉकी टूर्नामेंट: न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने कांस्य जीता

जोहोर बारू. एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने जोहोर बारू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को कड़े मुकाबले के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से शिकस्त दी। इससे पहले, निर्धारित समय में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर रहा था। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दिलराज सिंह ने 11वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई, जिसे मनमीत सिंह ने 20वें मिनट में दोगुनी कर दी। लेकिन ओवेन ब्राउन और जोंटी अल्मेस ने चौथे क्वार्टर में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर किया।

कुश्ती: अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

अंजलि ने जीता रजत, चिराग ने फाइनल में बनाई जगह

तिराना (अल्बानिया). एजेंसी

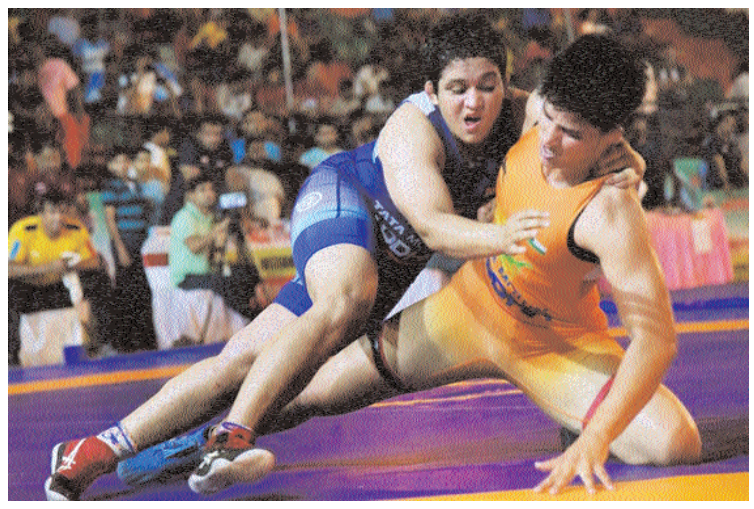

भारतीय पहलवानों ने यहां आयोजित अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को दो पदक दिलाई। महिलाओं की 59 किग्रा स्पर्धा में अंजलि ने रजत पदक हासिल किया जबकि पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में चिराग ने फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग के फाइनल में अंजलि के पास स्वर्ण पदक जीतने का अच्छा मौका था, लेकिन वह फाइनल में यूक्रेन की पहलवान सोलोमिया यान्क से हार गईं और उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

पुरुष वर्ग में दमदार प्रदर्शन: पुरुष वर्ग में चिराग ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के पहलवान अलान ओरालबेक को हराया। अब फाइनल में स्वर्ण पदक के लिए 18 वर्षीय भारतीय पहलवान का मुकाबला किर्गिस्तान के अबाद्यामलिक काराचोव से होगा। इससे पहले, 55 किग्रा वर्ग में ग्रीको रोमन पहलवान रामचंद्र मोरे ने कांस्य पदक जीता। वहीं, महिला वर्ग में नेहा शर्मा ने 57 किग्रा वर्ग, शिक्षा ने 65 किग्रा वर्ग और मोनिका ने 68 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'भूल भुलैया 2' का हिस्सा नहीं बनीं विद्या, अब 'भूल भुलैया 3' से कर रही हैं वापसी

'भूल भुलैया 3' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच इसके मूल भाग में नजर आईं विद्या बालन ने खुलासा किया है कि वो इसके दूसरे भाग 'भूल भुलैया 2' का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म भूल भुलैया को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है...

हाल-फिलहाल में दर्शकों का रुझान जिस तरह से हॉरर कॉमेडी फिल्मों की तरफ बढ़ा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। इस फिल्म में मूल भाग की मंजुलिका यानी विद्या बालन भी नजर आने वाली हैं, जिनकी वजह से भी फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ी है। हाल में ही अभिनेत्री ने भूल भुलैया 2 का हिस्सा न होने को लेकर बात की है। विद्या बालन ने साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म भूल भुलैया में अपनी अदाकारी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। इस फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ मंजुलिका के किरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म की सफलता को देखते हुए 15 साल बाद इसका दूसरा भाग भूल भुलैया 2 रिलीज हुआ। हालांकि, इसमें विद्या बालन नजर नहीं आई थीं। उनकी जगह तब्बू ने मंजुलिका का किरदार निभाया था।

विद्या को नहीं था यकीन

विद्या ने आगे कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि फिल्म का दूसरा भाग पहले भाग की तरह सफल साबित होगा। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के पहले भाग से काफी प्रसिद्धि हासिल की थी, ऐसे में वो इसके सीक्वल में काम कर अपनी स्टारडम को जोखिम में नहीं डालना चाहती थीं, क्योंकि उन्हें फिल्म की सफलता को लेकर पूरी तरह से विश्वास नहीं था। हालांकि, फिल्म के सफल होने के बाद उन्होंने निर्माताओं से वादा किया कि वो इसके तीसरे भाग में शामिल होंगी। भूल भुलैया अब एक लोकप्रिय फ्रैंचाइजी बन गई है। ये फिल्म इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आयुष को फिल्मी कॉरियर में सफलता का अब तक इंतजार

अभिनेता आयुष शर्मा बॉलीवुड में सलमान खान के परिवार से रिश्ते के कारण जाने जाते हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर 1990 को हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुआ था। उनके पिता हिमाचल प्रदेश के बड़े राजनेताओं में से एक हैं, लेकिन आयुष ने राजनीति की बजाय फिल्म इंडस्ट्री को चुना। स्कूलिंग खत्म होने के बाद आयुष मुंबई आ गए। आयुष शर्मा ने यहां अपना स्ट्रगल शुरू कर दिया। कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया। वह सलमान खान की बहन अर्पिता खान के पति हैं। आयुष ने सलमान की फिल्म में भी अहम रोल निभाया था। उन्होंने साल 2018 में बादशाह के म्यूजिक वीडियो से डेब्यू किया था। इसके बाद 'लवयात्री' नाम की फिल्म से बड़े पर्दे पर एंट्री ली थी। जिसके लिए बेस्ट डेब्यू मेल कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया था। 2020 में वे सई मांजरेकर के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आए और 2021 में फिल्म अंतिम- द फाइनल ट्रूथ में काम किया। एक्टर ने बताया कि वह कॉलेज के साथ जूनियर कलाकारों के रोल्स के लिए ऑडिशन देते थे। उन्होंने रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की फिल्म में बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम किया था। आयुष का परिवार सियासी पृष्ठभूमि से है।

साथ नजर आए अनिल कपूर व नाना, फैंस को आई उदय और मजनू की याद

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म वेलकम आज भी दर्शकों को बहुत ज्यादा पसंद आती है। इस भारतीय फिल्मों के इतिहास की सबसे बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों में से एक माना जाता है। इस फिल्म की लोकप्रियता के पीछे की महत्वपूर्ण वजह है फिल्म के कलाकारों का एक दूसरे के साथ बेहतरीन अभिनय और परस्परता। फिल्म में दर्शकों को नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जोड़ी बेहद पसंद आई थी। दोनों एक बार फिर से साथ में नजर आए, जिससे सोशल मीडिया पर फैंस के प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। उदय और मजनू भाई की ये मशहूर जोड़ी फैंस को काफी ज्यादा पसंद आती है। दर्शक इन दोनों को लगातार एक साथ पर्दे पर देखने के लिए आतुर रहते हैं। एक लंबे अंतराल के बाद दोनों रविवार को फिर से साथ नजर आए। नाना पाटेकर अपनी आगामी फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी इस फिल्म के प्रचार के लिए अनिल कपूर के साथ एक विशेष पॉडकास्ट रिकॉर्ड किया। इसके बाद मीडिया के लिए पोज देते हुए दोनों ने तस्वीरें खिंचाईं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वायरल वीडियो में अनिल कपूर ने पूरी तरह से काले रंग का ड्रेस पहना है, जिसमें रोल-अप स्लीव्स वाली काली शर्ट और काली पैंट है। इसेक साथ उन्होंने चश्मा और एक घड़ी पहने नजर आ रहे हैं। वहीं, नाना पाटेकर ने सफेद पैंट के साथ काली शर्ट पहनी हुई है। दोनों को साथ देखकर फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपने उत्साह का प्रदर्शन करते हुए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस बीच कई फैंस ने उन्हें फिर से साथ देखने की ख्वाहिश जाहिर की है। बता दें कि हाल में ही लल्लनटॉप के साथ एक इंटरव्यू में नाना पाटेकर ने साझा किया था कि उनके किरदार 'उदय शेट्टी' की सफलता अनिल के 'मजनू भाई' के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि वेलकम को पसंद किए जाने के लिए उन दोनों की जरूरत थी। इस दौरान उन्होंने वेलकम फ्रेंचाइजी के तीसरे किस्त को लेकर बात करते हुए बताया था कि उनसे इस आगामी फिल्म के लिए संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने और अनिल कपूर ने स्क्रिप्ट से असंतुष्ट होने के कारण इसे ठुकरा दिया।

मेट्रो बाजार

महंगाई: तीन महीने में खाद्य तेलों के दाम 25 रुपए तक बढ़ गए

नई दिल्ली. एजेंसी

वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी जोरों पर है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सब्जियों के साथ खाद्य तेल की कीमतों में भी उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले तीन महीनों में इनकी औसत कीमतों में 20 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई है। सबसे ज्यादा सरसों तेल में करीब 25 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। आरबीआइ की मासिक रिपोर्ट बताती है कि सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कीमतों में उछाल का असर लोगों की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। खाद्य तेल की कीमतों अगस्त से सितंबर के बीच कीमतों में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक, अक्टूबर में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है, 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है। रिफाइंड तेल का आयात पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है। जबकि पाम तेल 7.50 लाख टन होने का अनुमान है।

सब्जियों के बढ़े दाम: आरबीआइ के मुताबिक, अगस्त से अक्टूब के बीच आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में काफी तेजी आई है। प्याज की कीमतों में अक्टूबर 2023 के बाद सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है। अक्तूबर 2023 में प्याज की कीमत 100 रुपए तक पहुंची थी और अब एक बार फिर यह 70-75 रुपए किलो बिक रहा है जबकि टमाटर की कीमतें अगस्त 2023 के बाद फिर खुदरा बाजार में 100 रुपए के पार चली गई।

बाजार की गिरावट से बेफिक्र म्यूचुअल फंड, इक्विटी योजनाओं में बढ़ाया निवेश

मुंबई. एजेंसी

बाजार में पिछले 4 हफ्तों से चल रही उठापटक से इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के निवेशक बेफिक्र नजर आ रहे हैं। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स अपने ऑल-टाइम हाई से 7 फीसदी से 10 फीसदी तक टूट चुके हैं, इसके बावजूद खुदरा निवेशक जमकर म्यूचुअल फंड्स की इक्विटी योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। म्यूचुअल फंडों की संस्था एम्फी के डेटा के मुताबिक, इस माह 22 अक्टूबर तक खुदरा निवेशकों ने बाजार में आई इस गिरावट का फायदा उठाने के लिए सभी इक्विटी फंड्स में निवश किया है। वहीं टॉप 5 इक्विटी फंड्स कैटेगरी में ही निवेश 17,000 करोड़ रुपए से अधिक है। म्यूचुअल फंड्स ने अक्टूबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार में 70,000 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया है, जिससे बाजार में बड़ी गिरावट को रोकने में मदद मिली है। घरेलू म्यूचुअल फंड्स के पास सितंबर के अंत में करीब 1.85 लाख करोड़ रुपए का कैश था। बाजार का वैल्यूएशन काफी बढ़ जाने से उन्हें बाजार में एंट्री का मौका नहीं मिल रहा था। लेकिन अब बाजार में गिरावट आने से वैल्यूएशन घटा है और कई क्वालिटी शेयर उचित भाव पर मिल रहे हैं, जिसके कारण म्यूचुअल फंड्स शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं।

जुआरी और सटोरिये चढे पुलिस के हत्थे, गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया पुलिस ने कृष्णा नगर के पास जुआ खेल रहे रविसिंह ठाकुर, प्रशांत सिंह, हिमांशु बुंदेला और सुबोध शर्मा को गिरफ्तार कर उनके पास से 1030 रुपए नकद और ताश पत्ते जब्त किए हैं। इसी प्रकार अरेरा हिल्स पुलिस ने ओम नगर के पास जुआ खेल रहे बट्टू केवट, सुमित सैनी, राजा चौहान और राहुल अहिरवार से 1200 रुपए और ताश पत्ते जब्त किए। इधर बजरिया पुलिस ने विजय नगर चांदबढ़ के पास सट्टा लिख रहे देवानंद निवासी बजरिया और लखन निवासी हनुमानगंज को पकड़कर 705 रुपए नकद और हजारों रुपए की सट्टा पर्ची जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

पैसों के विवाद में युवक को जबरन जहर खिलाया, हालत गंभीर

पिपलानी थाना क्षेत्र में पैसों के विवाद में युवक को जबरन जहर पिलाने का मामला सामने आया है। युवक की हालत नाजुक बनी है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इधर, युवक के पिता ने आरोप लगाया कि उसके बेटे को जहर खिलाकर उसकी हत्या की कोशिश की गई है। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार शिव नगर निवासी 21 वर्षीय रोहित सिंह पानी की गाड़ी चलाता है। उसे पति लक्ष्मण सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे उसके बेटे को इलाके में रहने वाला अंकित अपने साथियों के साथ मिलकर हथाईखेड़ा डैम लेकर गया। पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद में बेटे को अंकित ने उसे जबरन जहर पिला दिया। इसके बाद उसे छोडकर भाग गए। बेटा बेसुध मिला। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आठ साल की बच्ची को पालतू कुत्ते ने काटा, मालकिन पर एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमगंज इलाके में रहने वाली आठ साल की बच्ची को पड़ोसी के कुत्ते ने काट लिया। पीड़ित पक्ष ने इलाज कराने की बात कही तो कुत्ते की मालकिन भड़क गई और विवाद शुरू कर दिया। विवाद बड़ने पर बच्ची की मां ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रेणु पति अजय पंथी (35) इब्राहिमगंज में रहती हैं। उनके पड़ोस में सरोज रहती है। सरोज ने कुत्ता पाल रखा है। रेणु की आठ साल की बेटी एंजिल रविवार दोपहर घर के बाहर खेल रही थी, तभी सरोज के कुत्ते ने उसे काट लिया। रेणु ने सरोज से कहा कि वह अपना कुत्ता बांधकर रखें और एंजिल को कुत्ते ने काट लिया है तो उसका इलाज कराएं। यह बात सुनकर सरोज भड़क गई और विवाद करने लगी। लिहाजा रेणु बच्ची को लेकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

भोपाल में नहीं मिल रही थी अच्छी जॉब, तनाव में रहने लगा था तुषार

मां-पिता की देखरेख के लिए छोड़ी थी नौकरी

रिटायर्ड महानिदेशक के बेटे की आत्महत्या मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर स्थित वैशाली नगर में ब्लैड से खुद का गला काटकर आत्महत्या करने वाले छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक मोहन शुक्ला के बेटे तुषार शुक्ला गत दो वर्ष से तनाव में थे। तुषार की तनाव की वजह माता-पिता की चिंता और अच्छी जॉब नहीं मिलने की बात सामने आई हैं। दरअसल, वह रायपुर की एक कंपनी में मैनेजर की नौकरी छोड़कर भोपाल आए थे।

पुलिस ने रविवार को शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। उल्लेखनीय है कि वैशाली नगर में छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक मोहन शुक्ला अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा बेटे तुषार शुक्ला (54), बहू सौम्या शुक्ला व 17 साल का पोता भी साथ ही रहते हैं। शनिवार 26 अक्टूबर की शाम करीब साढे 5 बजे तुषार ने ब्लेड से हाथ की नस काट ली। जब उन्हें लगा कि हाथ की नस काटने से जान नहीं जाएगी तो खुद ही ब्लेड से अपना गला काट लिया। खून अधिक बहने से उनकी मौत हो गई थी। शुरुआती जांच में पता चला कि तुषार शुक्ला करीब दो साल से वह तनाव में थे। उनका मनोचिकित्सक के पास इलाज भी चल रहा है। परिजन ने पुलिस को बताया था कि बीते दो साल के दौरान तुषार शुक्ला दो बार अपने हाथ की नस काटकर आत्महत्या का प्रयास कर चुके थे। उनका अधिकतर समय साहित्य और अध्यात्म से जुड़ी किताबें पढ़ते में बीतता था।

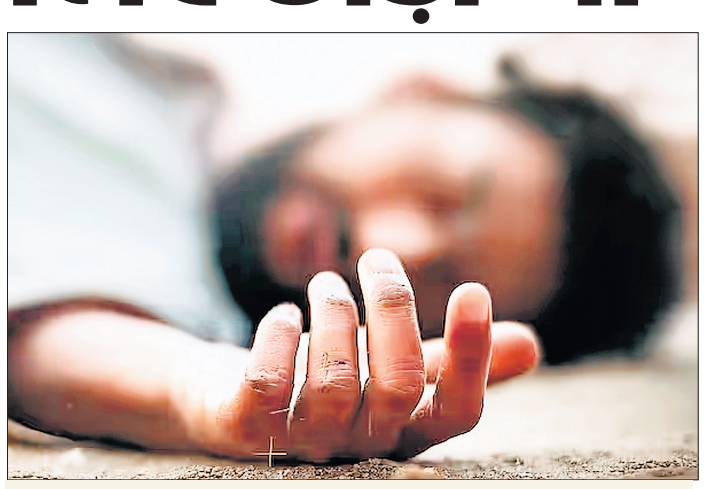

माता-पिता के लिए चिंतित रहते थे

पुलिस ने रविवार को रिटायर्ड महानिदेशक मोहन शुक्ला, मृतक की पत्नी व उनके 17 साल के बेटे के कथन दर्ज किए। तुषार शुक्ला का बेटा 12 वीं कक्षा का छात्र है। परिजनों के बयान से पता चलता है कि तुषार अपने माता-पिता के लिए चिंतित रहते थे। माता-पिता की देखभाल के लिए ही वह रायपुर की निजी कंपनी से मैनेजर की छोडकर भोपाल आए थे। यहां उन्होंने अच्छी नौकरी की तलाश की लेकिन कामयाब नहीं हो सके। उन्हें पत्नी-बेटे के भविष्य और माता-पिता की चिंता होने लगी थी।

घटना के समय मॉल में थे पत्नी और बेटा

तुषार शुक्ला ने अपने घर की छत का गेट लॉक कर लिया था। उसके बाद वह छत पर बने स्टोर रूम में गए और ब्लेड से पहले अपने हाथ की नस काटी और फिर खुद का गला रेत लिया। घटना के समय तुषार की पत्नी व उनका बेटा मॉल गए हुए थे। उन्हें मोबाइल पर सूचना मिली कि तुषार ने छत का गेट लॉक कर लिया है। सूचना मिलते ही पत्नी व बेटा घर पहुंचे। इस बीच ड्रायवर खिड़की के रास्ते छत तक पहुंचा। उस समय तुषार छत वाले कमरे के बाहर लहूलहान हालत में पड़े थे। फौरन उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।

अवैध शराब से लदा आटो पकड़ाया, तीन गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अवैध शराब का कारोबार करने वाले तस्करों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। शाहजहांनाबाद पुलिस ने एक आटो में अवैध शराब लेकर जा रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुातबिक शनिवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली कि एक आटो में कुछ लोग अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस की टीम ने नाकेबंदी करते हुए शाहजहांनाबाद स्थित स्टार शादी हाल के पास संदेही आटो को रोक लिया। तलाशी लेने पर आटो में 9 हजार रुपए की अवैध शराब रखी मिली, जिसे आटो समेत जब्त कर लिया गया। आटो में तीन युवक जगदीश रावत, रीतेश खरे और अमीन बैठे हुए थे। तीनों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

जूनियर डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर दो आईपेड चोरी

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित मनुआभान टेकरी पर अज्ञात बदमाश जूनियर डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर दो आईपेड चुराकर ले गया। चोरी गए आईपेड की कीमत 60 हजार रुपए है। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जूनियर डॉक्टर उमंग और डॉ. अभिजीत गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के हॉस्टल में रहते हैं और फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार शाम वह कार से मनुआभान टेकरी गए थे। कार उन्होंने टेकरी पर जंगल में सड़क किनारे खड़ी की और घूमने के लिए ऊपर चले गए। वहां से घूमकर लौटे तो कार की पीछे वाली सीट का कांच टूटा हुआ था, वहीं कार में रखे दो आईपेड नहीं थे। चोरी गए आईपेड की कीमत 60 हजार रुपए हैं। उन्होंने घटना की शिकायत कोहेफिजा पुलिस से की है।

सूने मकान से नगदी और जेवरात चोरी, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बागमुगलिया एक्सटेंशन में अज्ञात बदमाश सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी और जेवरात चुराकर ले गए। घटना 6 मई से 26 अक्टूबर के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बागमुगलिया निवसी अमृत सिंह बाइक कंपनी में सेल्समैन हैं। गत 6 मई को वह परिवार के साथ दिल्ली गए थे। दिल्ली में नौकरी मिलने के कारण वह दिल्ली में परिवार के साथ रहने लगे। दीवाली का त्यौहार होने के कारण शनिवार को वह परिवार के साथ अपने भोपाल स्थित निवास पहुंचे। इस दौरान घर के मुख्य गेट पर लगा ताला यथावत मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि सामान बिखरा पड़ा है। देखने पर पता चला कि बदमाश ऊपर वाले कमरे की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे थे। बदमाश घर से कुछ नगदी और पुराने जेवरात चुराकर ले गए है।

कीटनाशक पीने से युवक की मौत

भोपाल। रातीबड़ इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रामेश्वर सेमले (31) ग्राम नाथू बरखेड़ा में रहता था और खेत पर हाली का काम करता था। शुक्रवाद देर रात उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। उल्टियां होने पर उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इधर कोलार पुलिस ने बताया कि कमलेश कुमार शर्मा (70) सिग्नेचर क्राउन शिरडीपुरम कोलार रोड पर रहते थे। बीती 12 अक्टूबर की रात करीब साढे आठ बजे मंदाकिनी चौराहे पर एक बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मारकर घायल कर दिया था। स्थानीय लोगों ने घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां उसने नर्मदा अस्पताल भेज दिया गया था। बाद में एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार को कमलेश शर्मा की मौत हो गई।

ऑटो हटाने की बात पर दो पक्षों के बीच मारपीट

एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट का काउंटर प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज स्थि बस स्टैंड पर रात करीब डेढ बजे आटो हटाने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मोहित शर्मा (26) पत्रकार कालोनी में रहता है और प्रायवेट काम करता है। 26 अक्टूबर की रात करीब डेढ बजे वह अपने दोस्त राहुल के साथ खाना खाने के लिए आटो से नादरा बस स्टैंड पहुंचा था।

इस दौरान चालक ने वर्मा ट्रैवल्स के सामने आटो रोका तो ब्रजेश अहिरवार और यासीर ने मना किया। विवाद होने पर दोनों ने मोहित और राहुल के साथ मारपीट कर दी। इधर ब्रजेश अहिरवार ने पुलिस को बताया कि वह ईंटखेड़ी में रहता है और वर्मा ट्रैवल्स में लगेज बुकिंग का काम करता हैं। घटना के समय वह हम्माल यासीर से पार्सल बस में रखवा रहा था, तभी आटो से उतरे मोहित और राहुल ने रास्ते से सामान हटाने का बोलते हुए गाली-गलौज करने लगे। ब्रजेश ने गाली देने से मना किया तो दोनों ने मारपीट कर दी। यासीर ने बीच बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट कर दी।

आसपास के लोगों ने दोनों पक्षों को अलग किया। बाद में पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट का काउंटर प्रकरण दर्ज कर लिया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। गुनगा में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

मेट्रो एंकर गांधी नगर स्थित सेंट्रल जेल के सामने बीती रात बदमाशों ने की वारदात

मैनेजर पर चाकू से हमला कर लुटेरों ने छीना पैसों से भरा बैग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल जेल के सामने बीती रात करीब सवा दस बजे दो बाइक से आए चार लुटेरों ने मैनेजर पर चाकू से हमला कर उसका बैग छीन लिया। बैग में तीन लाख दस हजार रुपए की नगदी थी। मैनेजर ने लूट की शिकायत तत्काल गांधी नगर थाने पहुंचकर की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए लूट का मामला दर्ज लिया है। मुख्य सड़क पर हुई लूट की वारदात से पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार विजय नगर लालघाटी निवासी 37 साल के हिमांशु गुलशानी, करोंद स्थित हीरो मोटर्स में मैनेजर हैं। रविवार को वह दिनभर का कलेक्शन करने के बाद बैग में रुपए लेकर अपने घर जा रहे थे। वे अपनी ई स्कूटी पर थे अडैर बैग कंधे पर लटका हुआ था। सेंट्रल जेल के सामने पहुंचते ही दो बाइक पर आए चार बदमाशों ने स्कूटी के सामने बाइक अड़ाकर उन्हें रोक लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाशों ने उनके साथ मारपीट करते हुए हाथ पर चाकू से हमला कर दिया और कंधे पर लटका बैग छीनकर ले गए।

मुंह पर बांधे थे कपड़ा

हिमांशू ने पुलिस को बताया कि उनके पास बैग में हीरो मोटर्स और श्री बालाजी मोटर्स का तीन लाख दस हजार रुपए का कलेक्शन था। वे सेंट्रल जेल के सामने पहुंचे थे, तभी नकाबपोश बदमाशों ने उनके साथ वारदात की। वे साढे दस बजे के आसपास थाने पहुंच गए थे। पुलिस ने उनसे पूछताछ की और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अज्ञात बाइक सवार लुटेरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022